CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-193
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024

आज का विचार

कुछ चीजें पाने के लिए समय लगता है। धैर्य रखें...

सलमान खान को फिर मिली धमकी लॉरेंस गैंग ने रखी 5 करोड़ की डिमांड

कहा- बाबा सिद्दकी से भी बुरा अंजाम होगा

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी व्हाट्सएप के जरिए मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल रूम में भेजी गई। धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया है। धमकी देने वाले ने 5 करोड़ रुपए की फिरौती की मांग की है। धमकी में कहा गया है कि अगर पैसे नहीं दिए गए तो सलमान की हालत बाबा सिद्दीकी से भी बुरी होगी। पुलिस इस धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

लॉरेंस गैंग का नाम फिर सुर्खियों में

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद लॉरेंस गैंग का नाम एक बार फिर चर्चा में आ गया है। 12 अक्टूबर को सिद्दीकी की हत्या के बाद सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। बाबा सिद्दीकी सलमान खान के करीबी मित्र और एनसीपी नेता थे, जिनकी हत्या के बाद से सलमान की सुरक्षा को लेकर विशेष कदम उठाए गए हैं। सलमान खान को ङ्ग प्लस कैटेगरी की सुरक्षा पहले से ही दी जा रही थी, लेकिन बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद इस सुरक्षा में और कड़ा इंतजाम किया गया है।

केंद्र सरकार ने भोपाल-कानपुर कॉरिडोर को दी हरी झंडी, 120 किमी की रफ्तार से दौड़ेंगे वाहन

भोपाल- केंद्र की मोदी सरकार ने मध्यप्रदेश को बड़ी सौगात दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार(17 अक्टूबर) को भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर को 4-लेन में अपग्रेड करने की हरी झंडी दे दी है। 526 किमी लंबे कॉरिडोर को अपग्रेड करने के लिए केंद्र ने 3589.4 करोड़ मंजूर कर दिए हैं। भोपाल से शुरू होकर कॉरिडोर सांची, विदिशा, ग्यारसपुर, राहतगढ़, सागर शहर को बायपास करते हुए छतरपुर जिले में सतई घाट तक जाएगा। ओरछा के लिए जाने वाले दूसरे हाईवे को कनेक्ट भी करेगा। 2026 तक बनकर तैयार होगा कॉरिडोर सबसे पहले MP में कॉरिडोर का निर्माण शुरू होगा। 4 फेज में कॉरिडोर 2026 तक बनकर तैयार होगा। एमपी में कॉरिडोर की लंबाई 360 किमी है। इसी के लिए केंद्र ने 3589 करोड़ की स्वीकृति दी है। इस काम से मध्यप्रदेश के उस प्रयास को गति मिलेगी, जिसके तहत मोहन सरकार प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ाने में जुटी हुई है। यह अपग्रेडेशन MP से UP के बीच आर्थिक सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देगा। यातायात और यात्रा को सुगम बनाने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस सौगात पर केंद्र व केंद्रीय मंत्री गडकरी का आभार माना है।

120 किमी की रफ्तार से दौड़ेंगे वाहन

बता दें कि राजधानी भोपाल से कानपुर की दूरी 550 किमी है। झांसी होकर जाएं या फिर छतरपुर से यात्रा में 12 घंटे लगते हैं। कई जगह 2 लेन सड़क है। नए कॉरिडोर में दूरी 526 किमी रहेगी। वाहन अधिकतम 100 से 120 किमी प्रति घंटे की दौड़ से दौड़ सकेंगे। सड़क व्यस्त मानें तो 2 घंटे तक बचेंगे। सफर में 10 घंटे लगेंगे।

11000 करोड़ का पूरा प्रोजेक्ट, एमपी को मिले 3589 करोड़ जानकारी के मुताबिक, कॉरिडोर का निर्माण 4 फेज में होगा। पहला फेज भोपाल से विदिशा, दूसरा यहां से ग्यारसपुर, तीसरा सागर जिला होते हुए छतरपुर के सतई घाट से चौका, चौथा कैमाहा (यूपी) तक जाएगा। सागर शहर के बायपास होते हुए निकल जाएगा। EPC मोड पर बनने वाले पूरे प्रोजेक्ट पर 11,300 करोड़ रुपए खर्च होंगे। एमपी को MP में लंबाई 360 किमी होगी। इसी के लिए एमपी को 3,589.4 करोड़ मिले हैं।

मंडला से नैनपुर मार्ग को अपग्रेड करने की मंजूरी केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसकी पूरी जानकारी साझा की। इकॉनामिक कॉरिडोर की घोषणा वर्ष जनवरी 2023 में की गई थी।

रेलवे ने किया नियमों में बदलाव

120 की जगह 60 दिन पहले ही हो सकेगी ट्रेनों के टिकट की एडवांस बुकिंग

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने ट्रेनों के लिए अग्रिम आरक्षण की अवधि (एआरपी) 120 दिन से घटाकर 60 दिन कर दी है। यह कदम 1 नवंबर से लागू होगा। ट्रेन टिकट बुकिंग के नए नियमों का असर 1 नवंबर से पहले की गई बुकिंग पर नहीं पड़ेगा। 31 अक्टूबर तक की गई सभी बुकिंग यथावत रहेंगी। रेल मंत्रालय ने कहा कि विदेशी पर्यटकों के लिए 365 दिनों की सीमा के मामले में कोई बदलाव नहीं होगा। मंत्रालय ने कहा कि ताज एक्सप्रेस, गोमती एक्सप्रेस जैसी कुछ दिन चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों के मामले में कोई बदलाव नहीं होगा, जहां पहले से ही अग्रिम आरक्षण के लिए कम समय सीमा लागू है। रेलवे ने अपने बयान में स्पष्ट किया है कि 31 अक्टूबर से पहले मौजूदा 120 दिनों की एआरपी (एडवांस रिजर्वेशन पीरियड) के तहत की गई बुकिंग वैध रहेगी। साथ ही, यह भी कहा गया है कि नई 60 दिवसीय नई एआरपी से आगे की बुकिंग को रद्द करने की अनुमति अब भी दी जाएगी। ट्रेनों में रिजर्वेशन के नए नियम से रेलयात्रियों पर मिला-जुला असर पड़ेगा। कुछ यात्रियों को इससे फायदा होगा तो कुछ को परेशानी भी होने की आशंका है। अभी ट्रेन टिकट की एडवांस रिजर्वेशन विंडो 120 दिन पहले खुलने से यात्री काफी पहले ही टिकट बुक करा लेते हैं। जिनसे अचानक यात्रा प्लान करने वाले लोगों को टिकट नहीं मिल पाता था। ऐसे में इन यात्रियों को नए नियम से फायदा होगा। नए नियमों से टिकटों की कालाबाजारी पर भी बहुत हद तक अंकुश लगेगा। हालांकि, लंबा समय मिलने के कारण पहले वेटिंग टिकट वालों को टिकट कंफर्म होने के मामले में फायदा मिलता था। अधिक समय मिलने से उनके टिकट के कंफर्म होने की संभावना अधिक होती थी, अब नए नियम के अनुसार उन्हें थोड़ी दिक्कत हो सकती है।

शिल्पकार विनोद गोस्वामी ने 3 माह में 3 चरण में बनाई न्याय की देवी की मूर्ति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में बुधवार को न्याय की देवी की नई प्रतिमा स्थापित की गई है। इस नई प्रतिमा को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इस प्रतिमा को देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के निर्देश पर शिल्पकार विनोद गोस्वामी ने बनाया है। शिल्पकार विनोद गोस्वामी ने बताया कि तीन महीने की मेहनत के बाद इस प्रतिमा को तैयार किया गया है। गोस्वामी ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि मुझे इस प्रतिमा को बनाने का अवसर मिला। एक न्यूज चैनल से बातचीत में विनोद गोस्वामी ने बताया कि इस प्रतिमा को बनाने में तीन महीने के दौरान तीन प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा है। उन्होंने इसकी प्रकिया के बारे में बताया कि सबसे पहले एक ड्राइंग बनाई, इसके बाद एक छोटी प्रतिमा बनाई गई। जब प्रधान न्यायाधीश को वह प्रतिमा पसंद आ गई, तब बाद में छह फीट ऊंची दूसरी बड़ी प्रतिमा बनाई गई। नई प्रतिमा का वजन सवा सौ किलो है।

शिल्पकार को सीजेआई ने दिए थे ये निर्देश शिल्पकार विनोद गोस्वामी ने बताया कि चीफ जस्टिस के मार्गदर्शन और दिशा निर्देश के अनुसार ही न्याय की नई मूर्ति बनाई गई है। उन्होंने बताया कि चीफ जस्टिस ने कहा था कि नई प्रतिमा कुछ ऐसी हो जो हमारे देश की धरोहर, संविधान और प्रतीक से जुड़ी हुई हो। गोस्वामी ने कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए गाउन की जगह प्रतिमा को साड़ी पहनाई गई है। ये नई प्रतिमा फाइबर ग्लास से बनाई गई है। विनोद गोस्वामी ने कहा कि हमें बताया गया था कि नई प्रतिमा में न तो पट्टी बंधी होनी चाहिए और न ही हाथों में तलवार होनी चाहिए। उसी के आधार पर हमने एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में संविधान रखा है। बता दे कि नई प्रतिमा में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटा दी गई है और एक हाथ में तलवार की जगह संविधान थमा दिया गया है। एक हाथ में पहले की ही तरह तराजू रखा गया है। इसके अलावा प्रतिमा का वस्त्र भी बदला गया है।

भारतीयता का रंग घोलने की पहल प्रधान न्यायाधीश न्यायिक प्रक्रिया में अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही परिपाटी को बदलकर उसमें भारतीयता का रंग घोलने की पहल में जुटे हुए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। न्याय की मूर्ति में किए गए इन बदलावों के जरिए वे संविधान में समाहित समानता के अधिकार को जमीनी स्तर पर लागू करना चाहते हैं। इन बदलावों का चौतरफा स्वागत किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के 51वें चीफ जस्टिस होंगे संजीव खन्ना

सीजेआई चंद्रचूड़ ने केंद्र को भेजी सिफारिश

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का कार्यकाल नवंबर में खत्म हो रहा है। उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश कर दी है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने केंद्र सरकार को भेजी अपनी सिफारिश में कहा है कि देश के अगले चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया, जस्टिस संजीव खन्ना होंगे। बता दें कि वर्तमान सीजेआई 10 नवंबर 2024 को रिटायर हो जाएंगे। परंपरा के अनुसार सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है, जिसके चलते उन्होंने सीजेआई के पद के लिए जस्टिस संजीव खन्ना के नाम की सिफारिश की है।जस्टिस संजीव खन्ना वरिष्ठता सूची में पहला नाम है। इसलिए उनका नाम आगे बढ़ा दिया गया है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि 64 साल के जस्टिस संजीव खन्ना का सीजेआई के तौर पर कार्यकाल करीब 6 महीने का ही रहेगा।बता दें कि जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर हो जाएंगे। वे सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर 65 फैसले सुना चुके हैं। अपने इस कार्यकाल के दौरान उन्होंने 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं। जस्टिस संजीव खन्ना दिल्ली हाईकोर्ट में 14 साल तक जज रहे हैं। उनका जन्म 14 मई 1960 को हुआ था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस लॉ सेंटर से कानून की पढ़ाई की। ग्रेजुएशन के बाद, उन्होंने 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में एक वकील के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया था। उन्हें 2019 में सुप्रीम कोर्ट में प्रमोट किया गया था।

कांग्रेस विधायक जंडेल ने भगवान भोलेनाथ को कहे अपशब्द, एफआईआर दर्ज

श्योपुर। श्योपुर के कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। उनका एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने भगवान भोलेनाथ के प्रति आपत्तिजनक बयान दिया है। यह वीडियो भाजपा नेता नरेंद्र सलूजा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया है, जिसके बाद विधायक जंडेल को लोगों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस विधायक का वीडियो सामने आने के बाद श्योपुर में विश्व हिंदू परिषद ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

भाजपा नेता नरेंद्र सलूजा ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- 'कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल का भगवान भोलेनाथ का नाम लेकर गाली बकते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी एक दिन पहले नशे की हालत में भाषण दे रहे थे। अब अपनी पार्टी के नेताओं का चरित्र देख लो, जो नशे की हालत में भगवान भोलेनाथ का भी अपमान कर रहे हैं। जंडेल ने तो चुनावी परिणाम आने के बाद अपना मुंह काला करने की बात कही थी, लेकिन इस वीडियो के बाद जनता चुनाव से पहले ही उनका मुंह काला कर देगी।' इस मामले पर कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल ने सफाई दी है। उन्होंने फोन पर कहा कि भोलेनाथ मेरे आराध्य हैं और मैं उनकी पूजा करता हूं। इस तरह की बात मैं उनके लिए कहने की तो सोच भी नहीं सकता। यह वीडियो कांट-छांट करके रामनिवास रावत के लोगों द्वारा मुझे बदनाम करने के लिए वायरल किया गया है। इस बयान को लेकर कांग्रेस विधायक को घेरने की कोशिशें तेज हो गई हैं, और राजनीतिक माहौल गर्म हो चुका है।

हमास चीफ याह्या सिनवार को इजराइल ने मार गिराया, होगा डीएनए टेस्ट

नई दिल्ली। हमास चीफ याह्या सिनवार को इजराइल ने मार गिराया है। इजराइली मीडिया चैनल 12 ने सेना के सीनियर अधिकारियों के हवाले से बताया कि सिनवार की मौत हो गई है। सेंट्रल गाजा में बुधवार को इजराइली हमले में हमास के 3 सदस्य मारे गए। इनमें याह्या सिनवार के मारे जाने की भी खबर है। इजराइली सेना ने भी अपने बयान में कहा कि उन्हें एक इमारत में हमास के 3 लड़ाके होने की सूचना मिली थी। इसके बाद एक रूटीन ऑपरेशन में उस पर स्ट्राइक की गई थी। मरने वालों के शव को देखा गया तो उनमें एक याह्या सिनवार का था। उसकी मौत की जांच के लिए डीएनए टेस्ट किया जा रहा है। सिनवार के शव की फोटोज सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गई हैं। इससे पहले भी सिनवार को मारने के लिए इजराइल ने कई कोशिशें की थी। हालांकि उसे नाकामयाबी ही हाथ लगी। उसकी मौत को लेकर पहले भी दावे होते रहे हैं। 23 सितंबर को भी सिनवार की मौत का दावा किया गया था। हमास का पूर्व चीफ इस्माइल हानियेह 31 जुलाई को ईरान में मारा गया था। ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने उसकी मौत की पुष्टि की थी। आईआरजीसी ने बताया था कि तेहरान में हानियेह के ठिकाने पर रात 2 बजे (भारतीय समय के मुताबिक सुबह 4 बजे) मिसाइल से हमला किया गया था। इसमें हानियेह और उसके एक बॉडीगार्ड की मौत हो गई।

नबंरों की रेस ने ली एक और जान!

कोटा में नीट यूजी के छात्र ने की आत्महत्या

कोटा। कोटा छात्र आत्महत्या के मामले रूक नहीं रहे हैं। अब छात्र आत्महत्या का एक नया मामला सामने आया है। यहां नीट यूजी की तैयारी कर रहे उत्तर प्रदेश के 20 वर्षीय छात्र ने बुधवार रात अपने पीजी रूम में सीलिंग फैन से लटककर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि उसके कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है और इस कदम के पीछे की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है। दादाबाड़ी थाने के सर्किल इंस्पेक्टर नरेश मीना ने गुरुवार सुबह बताया कि बुधवार रात जब युवक ने दरवाजा खटखटाने और परिवार के सदस्यों के बुलाने पर भी कोई जवाब नहीं दिया तो केयरटेकर ने पुलिस को फोन किया और युवक को छत के पंखे से लटका हुआ पाया गया। इंस्पेक्टर मीना ने बताया कि मृतक युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर निवासी आशुतोष चोरसिया के रूप में हुई है, जो पिछले छह महीने से अपने चचेरे भाई के साथ यहां नीट-यूजी की तैयारी कर रहा था। उन्होंने बताया कि पता चला है कि युवक मानसिक बीमारी से पीड़ित था और उसका इलाज चल रहा था। इस साल कोटा में कोचिंग छात्रों द्वारा आत्महत्या का यह 15वां मामला है, जबकि पिछले साल ऐसे 26 मामले सामने आए थे।

आवश्यकता

प्रदेशो, जिला एवं तहसील स्तर पर एक कंपनी के लिए मार्केटिंग हेतु युवक / युवतियों की योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट वेतन 15 हज़ार - 20 हज़ार होगा आगे योग्यता अनुसार

Contact WhatsApp Only, Text Message :
9755996590

उज्जैन से आधा किलो एमडी ड्रग्स लाए दो आरोपी इंदौर में गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। आधा किलो एमडी ड्रग्स के साथ सराफा पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनो उज्जैन से ड्रग्स एक कार में लाए थे। जब्त ड्रग्स की कीमत पचास लाख रुपए है। दोनों आरोपी इंदौर में अलग-अलग इलाकों में ड्रग सप्लाई करने आए थे। पुलिस दोनों से पूछताछ कर ड्रग्स बेचने वाले गिरोह का पता लगाने में जुटी है। पकड़ा गए एक आरोपी का पुराना आपराधिक रिकार्ड है। वह पहले छत्रीपुरा में हुई एक हत्या के मामले में सजा काट चुका है। वह जेल से फरार हो गया था। बाद में उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जेल से रिहा होने के बाद खुद ही गैंग संचालित करने लगा था। उसने छत्रीपुरा, द्वारकापुरी क्षेत्र में ड्रग बेचने का नेटवर्क तैयार रखा था। पुलिस को दोनों के बारे में मुखाबिर से जानकारी मिली थी। जैसे ही आरोपी रिंकू उर्फ रोहित और छोटा पारस कार में ड्रग्स लेकर सराफा क्षेत्र में पहुंचे, तो पुलिस ने उसकी घेराबंदी कर पकड़ लिया। कार में उन्होंने एक थैली में आधा किलो ड्रग्स छुपाकर रखी थी। आरोपियों ने बताया कि वे उज्जैन से एमडी ड्रग लाए थे। अफसरों ने

उनसे पूछताछ शुरू कर गिरोह से जुड़े दूसरे लोगों की जानकारी जुटाना शुरू कर दी है। आरोपी पारस पहले भी पुलिस की गिरफ्त में आ चुका है।

सराफा चौपाटी पर खाने के लिए रुके थे

मिली जानकारी के अनुसार पता चला है कि आरोपी सराफा चौपाटी पर खाने के लिए रुके थे, इसी दौरान पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 506 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुआ है। पता चला है कि राजस्थान बॉर्डर तक का आरोपियों का मूवमेंट ट्रैक हुआ था। आरोपी सराफा चौपाटी पर खाना खाने के लिए रूके हुए थे। उनके पहुंचते ही पुलिस ने इलाके में घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पुलिस ने मामले में खुलासा करते हुए बताया कि पकड़ाए माल की कीमत 50 लाख से ज्यादा है। वही आरोपियों से एक कार भी जब्त की गई है।

जेल से भागने के बाद गैंग चलाता है आरोपी पारस

पकड़ा गया एक आरोपी छोटा पारस छत्रीपुरा में एक चर्चित हत्याकांड के केस में उम्रकैद की सजा काट चुका है। वह इस दौरान जेल से भी फरार हो गया। वह एक गैंग संचालित करता है। इसकी अन्य गैंग से दुश्मनी है। वही जेल से छूटने के बाद भी वह द्वारकापुरी, छत्रीपुरा सहित अन्य इलाकों में सक्रिय था।

कुछ समय पहले उसने छत्रीपुरा में बड़े पारस पर हमला किया था। वही क्राइम ब्रांच ने द्वारकापुरी इलाके में उसे पिस्टल के साथ भी पकड़ा था। वह जेल से छूटने के बाद नशे का कारोबार कर रहा था।

यह बताया डीसीपी ऋषिकेश मीना ने

डीसीपी ऋषिकेश मीना के मुताबिक सराफा पुलिस ने बालदा कॉलोनी निवासी छोटा पारस और महावर नगर निवासी रिंकू उर्फ रोहित को पकड़ा है। दोनों के पास से करीब 500 ग्राम एमडी ड्रग मिली है। आरोपी उज्जैन के रास्ते इंदौर लेकर आए थे।

इससे पहले भी पकड़े गए हैं तीन तस्कर

इससे पहले भी इंदौर में अलग-अलग जगहों पर की गई दो कार्रवाइयों में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। पहली कार्रवाई धार रोड स्थित जिला अस्पताल के पास हुई थी, जहां से एडवोकेट मुजाहिद और राहुल को गिरफ्तार किया गया था। इनसे 15 लाख रुपए की कीमत की 30.66 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई थी। वहीं दूसरी कार्रवाई सदर बाजार इलाके में की गई थी, जिसमें राजा को 19 लाख रुपए कीमत की 37.99 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया था।

झाबुआ के मेघनगर में पकड़ी जा चुकी है फैक्टरी

इससे पहले झाबुआ जिले के मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक फैक्टरी पर डीआरआई (डायरेक्टोरेट रेवेन्यू इंटेलिजेंस) की टीम ने छापा मारकर 168 करोड़ रुपए की एमडी ड्रग्स जब्त किया था। जिले में इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त होने का यह पहला मामला सामने आया था। इस मामले में फैक्टरी संचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पूरे मामले में कार्रवाई इतने गोपनीय तरीके से की गई थी कि स्थानीय प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी थी। डीआरआई की टीम ने मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र में फार्मा कंपनी के नाम से चल रही फैक्टरी पर छापा मारा गया था। फैक्ट्री से 112 किलो मेफेड्रोन जब्त किया गया था। इसकी कीमत 168 करोड़ रुपए बताई जा रही थी। इसमें पाउडर के रूप में 36 किलो और लिक्विड के रूप में 76 किलो ड्रग जब्त किया गया था।

पुराने मेडिकल कॉलेज की भूतहा पार्टी का मामला पुलिस तक पहुंचा, नाराज डॉक्टर थाने जाकर अड़े

पार्टी में शामिल 'भूतों' के खिलाफ एफआईआर दर्ज करो...

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में पुराने मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग में भूतहा पार्टी ने तूल पकड़ लिया है। मेडिकल कॉलेज के पूर्व छात्र इससे नाराज है। उन्होंने संयोगितागंज थाने जाकर इस मामले में शिकायत की और पुलिस अफसरों से कहा कि पार्टी में शामिल भूतों के खिलाफ प्रकरण दर्ज होना चाहिए। पुलिस ने जांच के बाद एक्शन लेने की बात कही है। उधर पार्टी को लेकर पता चला कि जैन समाज से जुड़े एक सोशल ग्रुप ने यह पार्टी आयोजित की थी। इस पार्टी में भाजपा से जुड़े नेता अक्षय बम और स्वप्निल कोठारी भी शामिल हुए थे। पार्टी की अनुमति देने वाले मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने सिर्फ आयोजकों को नोटिस थमाकर मामले की लीपापोती करने की कोशिश की है। एमजीएम पूर्व छात्र एसोसिएशन, मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन,एमजीएम और आईएमए इंदौर चेप्टर से जुड़े डॉक्टरों ने कहा कि पुराने मेडिकल कॉलेज में हैलोवीन पार्टी का आयोजन कर जैन सोशल ग्रुप एलिगेंट के सदस्यों चिकित्सकों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने शासकीय ऐतिहासिक धरोहर के भवन को नुकसान पहुंचाया है। यह अपराध की श्रेणी में आता है।

यह कृत्य दुर्भाग्यपूर्ण

आईएमए, इंदौर के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र पाटीदार ने कहा कि यह कृत्य दुर्भाग्यपूर्ण है हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और जो भी दोषी है उनपर कार्रवाई की मांग करते है। एमटीए के अध्यक्ष डॉ. राहुल रोकड़े ने कहा कि भवन के जीर्णोद्धार के लिए पूर्व में 2 करोड़ स्वीकृत किए गए थे। सरकार द्वारा जीर्णोद्धार को मूर्त रूप देकर भवन को संरक्षित करना चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। थाने में एमजीएम एल्युमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. संजय लोंढे, सचिव डॉ. विनीता कोठारी, एमटीए एमजीएम इंदौर के सचिव डॉ. अशोक ठाकुर, वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. सुमित शुक्ला, डॉ. शेखर राव, डॉ. साधना सोडानी, डॉ. सचिन वर्मा, डॉ. भूपेंद्र शेखावत और डॉ अंकुर अग्रवाल उपस्थित थे।

कांग्रेसियों ने किया कमिश्नर कार्यालय का घेराव

इंदौर की किंग एडवर्ड मेडिकल कॉलेज बिल्डिंग में हुई हैलोवीन पार्टी के विरोध में गुरुवार को कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने पार्टी में शामिल होने वाले दोनों भाजपा नेताओं अक्षय कांति बम और स्वप्निल कोठारी पर एफआईआर की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने संभाग आयुक्त कार्यालय का घेराव कर जॉइंट कमिश्नर पुरुषोत्तम पाटीदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने ज्ञापन देते हुए बताया कि पुरातत्व विभाग के अधिकारी डिप्टी डायरेक्टर प्रकाश परांजपे से जब हमने चर्चा की, तो उन्होंने कहा कि हमसे लिखित में कॉलेज की ओर से कुछ नहीं कहा गया, न ही हमसे अनुमति ली गई। कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र यादव का कहना है कि इस पार्टी में 200 से अधिक लोग लग्जरी कारों से पहुंचे थे। कॉलेज के डीन ने गलत तरीके से अनुमति दी।

तीन दिन तक पार्टी कैसे होती रही

कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि डीन बयान दे रहे हैं कि हमने किसी भी पार्टी के लिए अनुमति नहीं दी। हमसे सिर्फ 20 लोगों के भ्रमण की अनुमति ली गई थी। जब पता चला कि वहां इस तरह की गतिविधियां हो रही हैं, तो अनुमति निरस्त कर दी गई थी। सवाल यही उठता है कि जब अनुमति निरस्त कर दी, तो तीन दिन तक कार्यक्रम कैसे होता रहा।

जैन समाज के अंदर ही हो रहा विरोध

हैलोवीन पार्टी जैन सोशल ग्रुप एलिगेंट ने की थी। इस तरह की भूतिया पार्टी का विरोध अब जैन समाज के अंदर ही हो रहा है। समाज के सोशल मीडिया ग्रुप्स पर मैसेज वायरल हो रहे हैं।

सुझाव दिए जा रहे हैं कि जैन सोशल ग्रुप एलिगेंट के आगे से जैन शब्द हटा दिया जाए, ताकि समाज की बदनामी न हो। इस बीच गुरुवार दोपहर डॉ. विनीता कोठारी, डॉ. सुमित शुक्ला, डॉ. विशाल कीर्ति जैन ने प्रमाण सागर महाराज से मुलाकात की और इस पार्टी के बारे में बताया। इस पर महाराज ने कहा कि दुर्भाग्य है कि लोग जिस तरह से संगठनों का विस्तार कर रहे हैं, उसी तरह संस्कृति को लेकर भी विमुख होते जा रहे हैं। इसके दूरगामी परिणाम बहुत भयावह है। भूतहा पार्टी घोर निंदनीय है।

कैलाश विजयवर्गीय बोले- कमलनाथ बड़ी जिम्मेदारी के योग्य

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल के भगवान शिव पर दिए गए बयान पर कहा कि मुझे लगता है कि उन्होंने नशा कर रखा होगा। नशे में तो कोई कुछ भी बोल देता है। इसलिए हम नशे और नशा करने वालों के भी खिलाफ हैं। इंदौर में गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि जो लोग नशा कर समाज में विकृति पैदा करते हैं, मैं समझता हूं कि इनको कभी माफ नहीं करना चाहिए। राहुल गांधी और कमलनाथ की मुलाकात पर विजयवर्गीय ने कहा कि कमलनाथ को बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, वे योग्य व्यक्ति हैं। बता दें कि दो दिन पहले दिल्ली में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों नेताओं के

बीच करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत हुई। दोनों ने लंच भी साथ किया।कमलनाथ की राहुल गांधी से 42 दिन में यह दूसरी मुलाकात थी। इससे पहले 3 सितंबर को राहुल गांधी के आवास पर कमलनाथ ने उनसे मुलाकात की थी। मंगलवार को हुई मुलाकात के बाद यह माना जा रहा है कि महाराष्ट्र-झारखंड विधानसभा चुनाव में कमलनाथ कोई बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

विजयवर्गीय ने कहा कि हरियाणा की तरह महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी जीतेगी। मंत्री महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने भगवान राम के चरित्र को समाज में दिया है, निश्चित रूप से यह अनुकरणीय है।

पति-पत्नी ने साथ में पी शराब, फिर झगड़े,पति बालकनी से गिरा, मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी क्षेत्र में एक युवक की बालकनी से गिरने से मौत हो गई । वह अपनी पत्नी के साथ शराब पी रहा था। बाद में दोनो के बीच झगड़ा हो गया। गुस्साई पत्नी ने पति को कमरे में बंद कर दिया। कमरे की गैलरी से निकलने की कोशिश करते समय पति गिर पड़ा। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। घटना दिग्विजय नगर मल्टी की है। यहां रहने वाले सुनील पिता कन सिंह और पत्नी किरण ने शाम को साथ में शराब पी। खाना खाने के दौरान दोनो के बीच बहस हो गई। विवाद बढ़ा तो किरण फ्लैट में ताला लगाकर बाहर चली गई। आधे घंटे तक पत्नी नहीं पहुंची तो सुनील बालकनी से नीचे उतरने की कोशिश करने लगा, लेकिन वह सिर के बल जमीन पर गिर पड़ा। आस-पड़ोसी उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सुनील का भाई बाबू भी उस बस्ती में रहता है। उसने बताया कि पति-पत्नी अक्सर झगड़ते थे। बुधवार को पत्नी ने खाना खाते समय सुनील की थाली हटा दी थी। इससे नाराज होकर सुनील ने पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी थी। इसके बाद पत्नी घर के बाहर चली गई थी। सुनील झाबुआ क्षेत्र का रहने वाला है और इंदौर में मजदूरी करता था। दंपति के दो बच्चे भी है।

भाजपा ने विधायक बाबू जंडेल का पुतला फूंका, मुंह काला करने की चेतावनी

इंदौर। भगवान शंकर के बारे में अपशब्द कहने वाले विधायक बाबू जंडेल के खिलाफ आज इंदौर में बीजेपी अनुसूचित जाति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन के दौरान देवी देवताओं का अपमान नहीं सहेंगे के नारे लगाते हुए विधायक जंडेल का पुतला भी जलाया। वहीं कार्यकर्ताओं ने जूते मारो ऐसे विधायक को, कांग्रेस पार्टी मुदार्बाद के नारे भी लगाए। इंदौर 3 से बीजेपी विधायक गोलू शुक्ला का कहना है कि यह कांग्रेस मानसिकता के लोग है, कांग्रेस की पाठशाला के विद्यार्थी है। उन्होंने भगवान शंकर के प्रति जो बात बोली है, मैं उसकी निंदा करता हूं। इस तरह का कृत्य आगे से किया जाएगा तो उसका जवाब दिया जाएगा। सबकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है। कांग्रेस को ऐसे लोगों को बाहर निकालना चाहिए। विधायक शुक्ला ने आगे कहा कि वह इंदौर आएगा तो हम उसका मुंह काला करेंगे, यह मुद्दा विधानसभा में भी बिल्कुल उठाया जाएगा। वहीं इस इस तरह भगवान के प्रति कोई अपशब्द बोलेगा तो उसको छोड़ेगें नहीं जूते मारेंगे।

सेवादल ने लगाए नगर निगम पर अश्लीलता फैलाने के आरोप

इंदौर। इंदौर में कांग्रेस के संगठन सेवादल ने अब नगर निगम पर अश्लीलता फैलाने का आरोप लगाया है। दरअसल, इंदौर में नगर निगम के होर्डिंग्स पर विज्ञापन एजेंसी ने जोकी कंपनी के विज्ञापन लगाए है, जिसमें महिलाएं कंपनी के प्रोडक्ट का प्रचार कर रही है। प्रचार करते हुए फोटो को लेकर कांग्रेस के सेवादल संगठन ने निगम पर इंदौर में विज्ञापन के जरिए अश्लीलता फैलाने के आरोप लगाए है। इंदौर जिला कांग्रेस सेवादल के

कार्यवाहक अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने बताया कि इंदौर शहर के विभिन्न चौराहा पर इंदौर नगर पालिका निगम द्वारा विज्ञापनों के लिए लगाए गए होर्डिंग पर अश्लीलता फैलाते कंपनी के पोस्टर लगाए गए हैं। इसमें खुले आम महिला द्वारा अश्लीलता फैलाते हुए पोस्टर दिख रहा है। यह निगम का दोहरा रवैया है, इससे साफ प्रतीत होता है कि अगर नगर पालिका निगम को राजस्व मिलता है, तो कोई भी शहर में किसी भी तरह के पोस्टर लगा सकता है, भले ही अश्लीलता फैलाते हो या किसी भी तरह की समाज में विकृति फैलाते हो आप लगा सकते हैं।

युवती बिल्डिंग से गिरी, दुकान के शेड पर गिरने से बच गई जान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में विजय नगर क्षेत्र की एक बिल्डिंग से एक युवती गिर गई। चौथी मंजिल से गिरने के बाद युवती नीचे की दुकान के शेड पर जा गिरी। इससे उसे कम चोटें लगी और जान भी बच गई। उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती किया गया है। युवती ने पुलिस को बयान दिया कि वह मोबाइल पर बात कर रही थी। इस दौरान संतुलन बिगड़ने के कारण वह गिर गई। गुरुवार दोपहर विजय नगर क्षेत्र की एक बिल्डिंग से एक युवती गिर पड़ी। उसने काले रंग के कपड़े पहने थे। युवती तल मंजिल की दुकान के शेड पर जा गिरी। उसे गिरते देख लोग बचाने दौड़े और दो व्यक्तियों ने उसे शेड से उतार कर अस्पताल पहुंचाया।सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंची। हादसे के बाद युवती बेहोशी की हालत में है, इसलिए उसका नाम पुलिस को पता नहीं चल सका था। हादसे के एक घंटे बाद पुलिस अफसरों को युवती ने बताया कि उसका नाम नंदनी धोनितिया है। वह नेहरू नगर में रहत है और अपने दोस्त दिपेश जैन से मिलने आई थी। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है। जिस दुकान के शेड पर वह गिरी उसके दोनों तरफ लोहे के एंगल थे और एसी के जंगले भी लगे थे, लेकिन बीच के हिस्स में गिरने से वह बच गई।

युवती पड़ोस के अपार्टमेंट से गिरी थी। दुकानदारों ने अक्सर उसे अपार्टमेंट में देखा है। युवती एमबीए की छात्रा है और दीपेश भी उसका सीनियर है। हादसे के समय वह भी कमरे में था। पुलिस ने दीपेश से बात की। उसका कहना है कि वह कमरे में था। नंदनी अच्छे से बात कर रही थी। कब छत पर चली गई पता नहीं। उसे भी नहीं पता कि वो गिरी है या कूदी है। वहीं लड़की ने पुलिस को दिए बयान में मोबाइल पर बात करते समय पैर फिसलने से गिरने की बात कही है। पुलिस ने दीपेश से बात की। उसका कहना है कि वह कमरे में था। नंदनी अच्छे से बात कर रही थी। कब छत पर चली गई पता नहीं। उसे भी नहीं पता कि वो गिरी है या कूदी है। वहीं लड़की ने पुलिस को दिए बयान में मोबाइल पर बात करते समय पैर फिसलने से गिरने की बात कही है।

सिंगल कॉलम

राजेश गुप्ता राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के नए अध्यक्ष, टीना यादव महासचिव

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के नए अध्यक्ष अपर कलेक्टर स्तर के अधिकारी राजेश गुप्ता होंगे। गुप्ता सीएम सचिवालय, भोपाल समेत कई जिलों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं, और वर्तमान में अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान में संचालक के पद पर कार्यरत हैं। राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के अधिकारियों ने आम सहमति से राजेश गुप्ता का निर्विरोध निर्वाचन किया है। राज्य प्रशासनिक सेवा संघ की नई कार्यकारिणी का गठन करीब 10 साल बाद किया है। इस कार्यकारिणी में नए अध्यक्ष के निर्वाचन के साथ संघ के नए पदाधिकारियों को लेकर भी सर्वसम्मति से फैसला किया है। वहीं, भोपाल नगर निगम में अपर आयुक्त टीना यादव को संघ का महासचिव और किरण गुप्ता को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया। जबकि आकाश श्रीवास्तव और मनोज प्रजापति को संघ का उपाध्यक्ष बनाया है। मुख्य संरक्षक के रूप में देवी सरन और संरक्षक के रूप में कविंद्र कियावत और जीपी माली का नाम तय किया गया है। कार्यकारिणी सदस्यों में पुष्पा पुसाम, गोपाल वर्मा, शिवलाल शाक्य, रविशंकर राय, मकसूद अहमद, विष्णु यादव, राहुल गुप्ता, संघमित्रा बौद्ध, श्रेयस गोखले, पल्लवी वैद्य, अनुराग निगवाल, प्रकाश जैन, मनोज श्रीवास्तव, नीता कोरी, गुलाब सिंह शामिल हैं।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में राज्यपाल ने किया युवा महोत्सव का शुभारंभ

भोपाल। अखिल भारतीय युवा महोत्सव 2024 का उद्घाटन राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने गुरुवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में किया। कार्यक्रम के पहले सभी प्रतिभागियों ने मार्च पास्ट किया, जो विश्वविद्यालय से आरंभ होकर आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए पुनः विश्वविद्यालय पहुंचा । इसके बाद मशाल प्रज्वलन के साथ-साथ प्रतियोगिताओं के ध्वज का आरोहण कराते हुए प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने समस्त प्रतिभागियों को शपथ दिलाई । पहले दिन संगणक(टाइपिंग) स्पर्धा, शतरंज, अनुवाद स्पर्धा, कुश्ती, संस्कृत वार्ता लेखन, समूहगान, शैक्षिक लघु चलचित्र आदि प्रतियोगिताओ का आयोजन हुआ। इस मौके पर अतिथि के रुप में प्रो. मदन मोहन झा, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, सारस्वत अतिथि प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, महर्षि पाणिनी संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन तथा विशिष्ट अतिथि आशुतोष जोशी, संस्थापक भारतीय युवा संसद, जयपुर मौजूद रहे। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों 'भारतीय ज्ञान परंपरा एवं शिक्षक शिक्षा' तथा 'सर्व समावेशी शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में महर्षि दयानंद सरस्वती' का विमोचन भी महामहिम राज्यपाल ने किया । केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा इस तीन दिवसीय भव्य आयोजन के विषय में विस्तृत जानकारी दी। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि संस्कृत ज्ञान के माध्यम से हमें अपने राष्ट्र को विश्व में महाशक्ति बनाना है । उन्होंने यह भी कहा कि संस्कृत शास्त्रों में दिए गए ज्ञान के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान किया जा सकता है ।

पचमढ़ी में दिन का तापमान 26 डिग्री तक पहुंचा, कई जिलों में धूप निकली

भोपाल। मध्यप्रदेश से मानसून विदा हो गया है लेकिन 3 सिस्टम की एक्टिविटी की वजह से अगले कुछ दिन बूंदाबांदी और बादल वाला मौसम बना रहेगा। 20 अक्टूबर से ठंड का असर बढ़ेगा। तेज ठंड नवंबर की शुरुआत में दिखेगी। हालांकि, गुरुवार सुबह से भोपाल समेत कई जिलों में धूप निकली। इससे पहले बुधवार को बैतूल, छिंदवाड़ा और बुरहानपुर में बारिश भी हुई। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर तीव्र प्रेशर एरिया (डिप्रेशन) आगे बढ़ रहा है। वहीं, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी एक्टिव हैं। इस वजह से प्रदेश में बूंदाबांदी होगी और बादल छाए रहेंगे। बुधवार को बैतूल के शाहपुर में आधा घंटा मूसलाधार बारिश हुई। मंडी में उपज बेचने आए किसानों का कई क्विंटल अनाज पानी में बह गया। कई किसानों की उपज भीग गई। वहीं छिंदवाड़ा के दमुआ में नदी के बीच उफनते पानी में दो युवतियां फंस गई। नदी में अचानक पानी का स्तर बढ़ने से ऐसा हुआ। बुरहानपुर जिले के शाहपुर क्षेत्र के मोहद गांव से सटे वन क्षेत्र में बुधवार को हुई तेज बारिश के कारण धोरक नाले में बाढ़ आ गई। 15-20 मजदूर नाले के दूसरी ओर फंस गए। गांव के युवाओं ने उन्हें रस्सी के सहारे रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला।

भगवान शिव पर आपत्तिजनक बयान के बाद घिरे कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल के भगवान शंकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। इस मुद्दे पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कांग्रेस और उसके नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से जवाब मांगा है। उन्होंने इस विवाद पर कांग्रेस की चुप्पी को सनातन धर्म के खिलाफ साजिश बताया और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शर्मा ने कहा कि बाबू जंडेल के इस बयान के खिलाफ भाजपा कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न संगठनों ने बाबू जंडेल के बयान का विरोध किया है और उनके खिलाफ प्रदर्शन किए हैं। भाजपा भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कानूनी कदम उठाएगी।

कांग्रेस की 'मोहब्बत की दुकान' या 'गाली की दुकान'?

वीडी शर्मा ने बाबू जंडेल के विवादित वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल ने भगवान शंकर को अभद्र भाषा में अपमानित किया है। यह कांग्रेस की सनातन धर्म को खत्म करने की मानसिकता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी और खड़गे जी से पूछना चाहता हूं कि आपकी पार्टी की मोहब्बत की दुकान है या गाली की दुकान? शर्मा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस की ओर से आई चुप्पी को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि एक कांग्रेस विधायक भगवान शंकर पर अपमानजनक टिप्पणी करना और पार्टी के नेताओं की चुप्पी, यह बताती है कि कांग्रेस के एजेंडे में सनातन धर्म और हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करना शामिल है।

राहुल गांधी और खड़गे से जवाब की मांग

वीडी शर्मा ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को सीधे तौर पर सवालों के घेरे में लेते हुए कहा कि बाबू जंडेल के बयान पर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की चुप्पी बहुत कुछ कहती है। देश और सनातन धर्म के अनुयायी आपसे पूछ रहे हैं कि क्या आप बाबू जंडेल के इस बयान से सहमत हैं? और यदि नहीं, तो कांग्रेस उनके खिलाफ क्या कार्रवाई करेगी?

कांग्रेस नेताओं की प्रेस कांफ्रेंस पर निशाना

वीडी शर्मा ने कांग्रेस नेताओं दिग्विजय सिंह और जीतू पटवारी के प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों से सवाल न लेने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता प्रेस कांफ्रेंस में सवालों का सामना करने से डरते हैं। यह साफ बताता है कि वे इस मुद्दे पर जवाब देने से बचना चाहते हैं।

हिंदू संगठनों ने उठाई कार्रवाई की मांग

कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल के विवादित बयान के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। भगवान शिव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोपों के बाद भाजपा और हिंदू संगठनों ने उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए लिखा कि कांग्रेस की हिंदू विरोध की हद हो गई है। भगवान शंकर को भी नहीं छोड़ा गया। यह कथित जनेऊधारी हिंदू के गुर्गे हैं जो शिव भगवान का अपमान कर रहे हैं। विनोद बंसल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से इस बयान पर माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह कोई साधारण नेता नहीं बल्कि श्योपुर से कांग्रेस के विधायक बाबू जंडेल हैं, जो भगवान शिव का अपमान कर कांग्रेस की गाली संस्कृति को उजागर कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस बयान से हिंदू समाज में गहरा आक्रोश है और कांग्रेस को तत्काल माफी मांगते हुए बाबू जंडेल को पार्टी से निष्कासित करना चाहिए। भाजपा के नेता भी इस मुद्दे पर कांग्रेस पर हमलावर हैं। उनका कहना है कि कांग्रेस की हिंदू विरोधी मानसिकता बार-बार उजागर हो रही है और यह बयान उसी का प्रतीक है। कई नेताओं ने कहा कि कांग्रेस को इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़नी चाहिए और अपने विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। हिंदू संगठनों का कहना है कि भगवान शिव का अपमान सहन नहीं किया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद के साथ अन्य संगठनों ने भी कांग्रेस से माफी की मांग की है और चेतावनी दी है कि अगर पार्टी ने इस मामले में कदम नहीं उठाया, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

हमीदिया अस्पताल में तीन माह तक हार्ट के मरीजों को नहीं मिलेगा इलाज

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल हमीदिया में कैथलैब को शिफ्ट करने का काम 15 नवंबर से शुरू किया जाएगा इस दौरान हार्ट से संबंधित अस्पताल में आने वाले मरीजों को इलाज मिलने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। खास बात यह है कि ठंड के महीने में ही सबसे ज्यादा दिल की बीमारी से संबंधित मरीज अस्पतालों में पहुंचते हैं। ऐसे में हमीदिया अस्पताल में हार्ट मरीजों का इलाज बंद होने से न केवल राजधानी भोपाल बल्कि प्रदेश भर से आने वाले मरीजों को निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ सकता है। गौरतलब है कि हमीदिया अस्पताल में कैथलैब को शिफ्ट करने में अस्पताल प्रबंधन द्वारा लगातार देरी की जा रही थी। पिछले दिनों समीक्षा बैठक में इसे लेकर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने अधिकारियों पर नाराजगी दिखाई थी। उन्होंने सख्त निर्देश दिए थे कि जल्द से जल्द कैथ लैब को शिफ्ट किया जाए। इसके बाद से अस्पताल प्रबंधन ने शिफ्टिंग के काम में तेजी दिखाई है। उम्मीद लगाई जा रही है कि इस बार समय से लैब को शिफ्ट कर दिया जाएगा। हमीदिया अस्पताल ए ब्लॉक की तीसरी मंजिल पर कैथ लैब शिफ्टिंग की जाएगी। जानकारी के अनुसार इसका काम 15 नवंबर से शुरू किया जाएगा अभी कैथलैब के लिए नए भवन की तीसरी मंजिल पर सिविल का काम चल रहा है। शिफ्टिंग के लिए संबंधित एजेंसी ने 120 से 150 दिन का समय मांगा है। इस काम के लिए 50 लाख रुपए का बजट भी स्वीकृत हो चुका है। जानकारी के अनुसार सिविल वर्क 15 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद एजेंसी शिफ्टिंग शुरू कर सकती

जानकारी के लिए बता दें की हमीदिया अस्पताल में सामान्य दिनों में भी इस विभाग की ओपीडी में प्रतिदिन 30 से 35 हार्ट से संबंधित मरीज पहुंचते हैं। दरअसल कैथलैब की सुविधा वाले हमीदिया अस्पताल में हर दिन दिल से जुड़े प्रोसीजर होते हैं। कैथलैब बंद होने से मरीजों को निजी अस्पतालों में ही निर्भर होना होगा, जहां उन्हें इलाज करवाने के लिए मोटी रकम देनी होगी। ऐसे में गरीब मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। बतादें कि 15 नवंबर से कैथलैब की शिफ्टिंग का काम शुरू होगा। और इसके लिए कंपनी ने तीन माह का समय मांगा है।

यह सब रहेगा बंद

- एंजियोग्राफी
- एंजियोप्लास्टी
- पेसमेकर
- डिवाइस क्लोजर
-बैलून डायलेटेशन

सर्दी में बढ़ जाती है हार्ट की समस्या

वहीं गर्मी की अपेक्षा सर्दी के दिनों यानी दिसंबर से फरवरी तक हृदयघात के मामले तीन से चार गुना तक बढ़ जाते हैं। इस दौरान कैथलैब की सुविधा वाले हमीदिया अस्पताल में हर दिन 25 से 30 मरीजों के दिल से जुड़े प्रोसीजर होते हैं। कैथलैब बंद होने से मरीजों को निजी अस्पतालों में ही निर्भर होना होगा, जहां उन्हें इलाज करवाने के लिए मोटी रकम देनी होगी। ऐसे में गरीब मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि जनवरी में पुराने भवन में संचालित कैथलैब की शिफ्टिंग को पहला प्रस्ताव नए भवन ए की तीसरी मंजिल पर शिफ्ट करने का बनाया गया था। इसके बाद पांच माह में पांच अलग-अलग योजना बनाई गई। अंत में पहले प्रस्ताव को ही मंजूरी मिली। इसके लिए संबंधित एजेंसी ने 120 से 150 दिन का समय मांगा है। इस काम के लिए 50 लाख रुपए का बजट भी स्वीकृत हो चुका है।

15 नवंबर तक पूरा होगा सिविल वर्क

पीआईयू के सब इंजीनियर केसी शर्मा के अनुसार सिविल वर्क 15 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद एजेंसी शिफ्टिंग शुरू कर सकती है। अभी कैथलैब के लिए नए भवन की तीसरी मंजिल पर सिविल का काम चल रहा है, जो बीते चार दिन से बंद है। यहां पीआईयू के पास एसी डक्टिंग डिजाइन चल रही है।

घर से बरामद हुई 4 लाख की अवैध शराब, एक आरोपी गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल के ईंटखेड़ी पुलिस ने ग्राम निपानिया जाट स्थित एक मकान पर छापा मारकर करीब 4 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि मकान मालिक फरार है। फरार आरोपी की तलाश में टीम लगाई गई है। एसपी देहात प्रमोद कुमार सिन्हा ने इलाके में अवैध शराब और मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में एसडीओपी ईंटखेड़ी मंजू चौहान को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम निपानिया जाट निवासी संजू उर्फ संजय जाट अपने घर पर भारी मात्रा में अवैध शराब रखे हुए है, जिसे वह चोरी-पिछे बेचता है।

इस सूचना के बाद एसडीओपी चौहान ने पुलिस टीम के साथ निपानिया स्थित संजू के घर पर दबिश दी, जहां भारी मात्रा में देशी और विदेशी शराब रखी मिली। पुलिस के मुताबिक मकान पर मिले युवक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम अशोक कटारे (35) निवासी ग्राम रायपुर थाना ईंटखेड़ी बताया। शराब को लेकर पूछताछ करने पर बताया कि उक्त शराब संजू की है, जिसे वह फुटकर में बेच रहा था। उसके बाद पुलिस ने शराब जब्त कर अशोक को गिरफ्तार कर लिया। मकान से कुल 293.41 लीटर अवैध शराब, नगदी 63,590 रुपए, दो मोबाईल फोन, सीसीटीवी कैमरा के साथ ही अन्य जप्ती सामान समेत कुल 4,02,860 रुपए का माल जब्त किया गया। आरोपी अशोक के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है, जबकि फरार संजू उर्फ संजय जाट की तलाश की जा रही है. इनकी रही सराहनीय भूमिका अवैध शराब जब्त करने में एसडीओपी ईंटखेड़ी मंजू चौहान के साथ ही एसआई रिंकू जाटव, एएसआई मुकेश मीना, अरविन्द शर्मा, हेड कांस्टेबल सतीश जाट, आरक्षक जितेन्द्र गिरी, सुशील वर्मा के साथ ही रक्षित केन्द्र के बल का योगदान सराहनीय रहा।

डीआरएम तिराहे का रास्ता खुला होशंगाबाद रोड का 30% ट्रैफिक शिफ्ट

भोपाल। भोपाल के डीआरएम तिराहे का रास्ता खुलने से होशंगाबाद रोड का करीब 30त्न ट्रैफिक यहां शिफ्ट हो गया है। गुरुवार को रास्ते की बेरिकेडिंग पूरी तरह से हटा दी गई। यह रास्ता करीब 8 महीने बाद खुला है। इससे करीब 5 लाख आबादी को राहत मिली है। अब साकेत नगर और शक्तिनगर के अंदरुनी रास्ते से भी गाड़ियां नहीं गुजरेगी। वहीं, एम्स जाने के लिए राह आसान हो गई है। गुरुवार को पूरी तरह से रास्ता खुलने से दुकानदारों ने भी राहत की सांस ली है। रास्ता बंद होने से कारोबार खासा प्रभावित हो रहा था। कइयों ने तो दुकानें बंद कर दी थी, क्योंकि यहां इक्का-दुक्का ग्राहक ही पहुंच रहे थे। ऑटो चालक मो. महफूज अली ने बताया, रास्ता खुलने से बड़ी राहत मिली है। अब ज्यादा फेरा नहीं लगेगा। इससे यात्रियों से भी कम किराया वसूलेंगे। डीआरएम तिराहे पर मेट्रो की 200 टन वजनी कंपोजिट स्टील ब्रिज की लॉन्चिंग की गई है। इस वजह से मार्च से ही रास्ते पर बेरिकेडिंग कर दी गई थी। जिससे लोग होशंगाबाद रोड होते हुए गुजर रहे थे। रास्ता खुलने से करीब 5 लाख आबादी को आने-जाने में बड़ी राहत मिल गई है। यहां से होशंगाबाद रोड की कॉलोनी, अवधपुरी, बीडीए, एम्स, अलकापुरी, साकेतनगर, रोहितनगर, अमरावतखुर्द समेत सैकड़ों कॉलोनी जुड़ी हैं। डीआरएम तिराहे की सड़क आईएसबीटी से वीर सावरकर ब्रिज के नीचे से होते हुए होशंगाबाद रोड को जोड़ती है, लेकिन यह बंद होने से लोगों को करीब सात किलोमीटर का फेरा लगाना पड़ रहा था।

2 करोड़ की सरकारी जमीन से हटवाया कब्जा, बन रहे थे मकान

भोपाल। भोपाल के बगरोदा गांव में गुरुवार को 1 एकड़ सरकारी जमीन से कब्जा हटवाया गया। जमीन की कीमत करीब 2 करोड़ रुपए है। जमीन पर 6 महीने पहले कब्जा किया गया था, 1 महीने में मकान बनाने के लिए पिलर भी खड़े कर दिए गए। जिला प्रशासन के अफसरों ने पुलिस की मौजूदगी में कार्रवाई की। हुजूर तहसीलदार नरेंद्र परमार ने बताया कि बगरोदा में मेन रोड के किनारे की जमीन पर गोवर्धन साहू, कमलेश सेन और पतिराम पटेल ने कब्जा कर रखा था। नींव बिछाने के बाद पिलर खड़े हो गए थे और इस पर निर्माण किया जाने वाला था। दोपहर में यहां टीम पहुंची और कार्रवाई शुरू की। एक घंटे में कब्जा हटा दिया गया। कार्रवाई करने के लिए अफसर जेसीबी लेकर पहुंचे। विवाद न हो, इसलिए पुलिस बल भी मौजूद था। हालांकि, विवाद जैसी स्थिति नहीं बनी और एक घंटे में कार्रवाई करके टीम लौट गई। एसडीएम विनोद सोनकिया ने बताया कि आगे भी यह कार्रवाई जारी रहेगी। तहसीलदार परमार ने बताया, सरकारी जमीन पर छह महीने से यह कब्जा था।

शिवराज के बेटों की शादी में शामिल होंगे मोदी, कृषि मंत्री न्योता देने पहुंचे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के दोनों बेटों की शादी जल्द ही होने वाली है। पीएम नरेंद्र मोदी को उन्होंने शादी का न्योता दिया है। शादी में आमंत्रित करने शिवराज अपनी पत्नी साधना सिंह और दोनों बेटे कार्तिकेय-कुणाल के साथ पहुंचे थे। बता दें कि शिवराज सिंह चौहान के दोनों बेटे कार्तिकेय और कुणाल की जल्द ही शादी होने वाली है। शिवराज सिंह चौहान के बड़े समधी अनुपम आर बंसल देश की जानी-मानी कंपनी लिबर्टी शूज कंपनी के निदेशक हैं। इसके अलावा भी वे कई कारोबार से जुड़े हुए हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के छोटे समधी भोपाल के बड़े डॉक्टर हैं। शादी का न्योता देने की जानकारी खुद शिवराज सिंह चौहान ने अपने फेसबुक अकाउंट पर साझा की है। तस्वीरों में शिवराज पीएम मोदी को फूलों का गुलदस्ता और गणेश प्रतिमा भेंट करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान पूरा परिवार साथ है। शिवराज ने जानकारी साझा करते हुए लिखा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से अपनी धर्मपत्नी साधना और दोनों बेटों कार्तिकेय-कुणाल के साथ भेंट की। हमने प्रधानमंत्री जी को दोनों बेटों की शादी में आने का निमंत्रण दिया और उनसे आशीर्वाद लिया। स्नेह, प्रेम, आत्मीयता और अपनेपन से भरे आदरणीय प्रधानमंत्री जी अभिभावक और बड़े भाई हैं। वे मानवीय संवेदनाओं से भरे अत्यंत सहज और सरल हैं।

प्रधानमंत्री जी से मिलकर मन भावुक हो गया। उनके साथ देश और किसानों के लिए काम करना जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है।

कौन हैं कार्तिकेय और अमानत?

कार्तिकेय चौहान पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे हैं। कार्तिकेय को पिता का राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जाता है। 2013 से कार्तिकेय राजनीति में सक्रिय हैं। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में पिता शिवराज के लिए उन्होंने जमकर प्रचार किया था। इसकी पूरी संभावना है कि आने वाले समय में कार्तिकेय खुद चुनावी मैदान में उतरेंगे। वहीं, शिवराज सिंह की होने वाली बड़ी बहू अमानत बंसल लिबर्टी शूज कंपनी के निदेशक और कारोबारी अनुपम आर बंसल की बेटी हैं। अमानत ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है, उन्होंने मनोवैज्ञानिक शोध में एमएससी किया है। बताया जाता है कि अमानत को शास्त्रीय नृत्य का भी बहुत शौक है। अमानत की मां रुचिता बंसल इजहार नाम की एक संस्था चलाती है।

कौन हैं कुणाल और रिद्धी?

कुणाल चौहान शिवराज सिंह चौहान के छोटे बेटे हैं। कुणाल का राजनीति से कोई नाता नहीं है, उनका पूरा फोकस अपने कारोबार पर ही रहता है। वे मेसर्स सुंदर फूड्स एंड डेयरी के मैनेजिंग पार्टनर हैं। उनकी डेयरी से दूध, घी, पनीर, लस्सी, दही और पानी भी भोपाल व आसपास के जिलों में सप्लाई किया जाता है। इससे पहले कुणाल ने भोपाल में फूलों की दुकान भी खोली थी। शिवराज की छोटी बहू रिद्धी जैन परिवार से आती हैं। उनके पिता संदीप जैन हैं, जो भोपाल में बड़े डॉक्टर हैं। रिद्धी के दादा इंदरमल जैन भी डॉक्टर हैं। डॉ. इंदरमल जैन का निवास भोपाल के 74 बंगले के पास निषाद कॉलोनी में है। अमेरिका में पढ़ाई के दौरान कुणाल और रिद्धी एक दूसरे से मिले थे। दोनों करीब दो साल से दोस्त रहे, इसके बाद दोनों परिवारों की मौजूदगी में दोनों का रोका कार्यक्रम हुआ था।

सम्पादकीय

महंगाई की वजह सब्जियों के बढ़ते दाम, फिर किसान गरीब क्यों?

जब देश में जीवनोपयोगी वस्तुओं की बहुलता है तो फिर मूल्यवृद्धि क्यों और किसान गरीब क्यों? यह सही है कि जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, लेकिन वैश्विक सहयोग और कई अन्य उपायों से वस्तुओं की उपलब्धता में भी उसी अनुपात में बढ़ोतरी हो रही है, तो भी चीजें इतनी महंगी क्यों बिक रही हैं और महंगाई का बोलबाला क्यों है? अच्छे मानसून और बेहतर पैदावार के बावजूद खाद्य वस्तुओं का कृत्रिम अभाव कौन पैदा कर रहा है, क्यों सरकारें इन पर लगाम नहीं लगा पा रही हैं?

भारत में आयातित वस्तुओं की मुद्रास्फीति सितंबर 2024 में 2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 13 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। एसबीआई ने रिपोर्ट में बताया कि आयातित वस्तुओं की बढ़ती कीमतें देश की समग्र महंगाई में तेजी से योगदान दे रही है। सोना, तेल-वसा और रासायनिक उत्पादों की बढ़ती की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ रही है। आयातित मुद्रास्फीति किसी देश में आयातित उत्पादों की उच्च लागत के कारण वस्तुओं और सेवाओं की कीमत में इजाफे को कहते हैं। बढ़ती आयातित मुद्रास्फीति के आंकड़े ऐसे समय पर सामने आए हैं जब देश में महंगाई का बढ़ना लगातार जारी है। भारत में खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर 2024 में नौ महीने के उच्च स्तर 5.5 प्रतिशत पर पहुंच गई। अगस्त में यह 3.65 प्रतिशत थी। इसका कारण यह मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों का बढ़ना रहा। सितंबर में खाद्य और पेय पदार्थों की मुद्रास्फीति बढ़कर 8.36 प्रतिशत हो गई, जो अगस्त में 5.30 प्रतिशत और सितंबर 2023 में 6.30 प्रतिशत थी। खाद्य क्षेत्र में सब्जियों की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, इसने समग्र मुद्रास्फीति दर में 2.34 प्रतिशत का योगदान दिया।

इन दिनों सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं और महंगी सब्जियां आम लोगों की पहुंच से पार हो चुकी हैं। टमाटर के दाम ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जहां टमाटर 140 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, वहीं हरा मटर 200 रुपए की दर से बिक रहा है। दूसरी सब्जियां भी 80-90 पार ही बिक रही हैं और सब्जी विक्रेताओं, आढ़तियों को कोई पूछने वाला नहीं है। आलू, प्याज, शिमला मिर्च सोने के भाव बिक रहे हैं। एक तरफ शादियों का सीजन शुरू होने वाला है, तो दूसरी तरफ त्योहारों के चलते लोगों की जेबें खूब ढीली हो रही हैं। सरकार द्वारा खाद्य पदार्थों के दामों और एमआरपी पर कोई ठोस नियंत्रण न होने के कारण एक तरफ देश में गरीबों की हालत दयनीय होती जा रही है तो वहीं अमीरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भारत में हाल के वर्षों में खाद्यान्नों के दाम बहुत ज्यादा बढ़ चुके हैं। ऊपर से, देश में रोजगार की स्थिति बेहद खराब है और लोगों की कमाई भी नहीं बढ़ रही है। इसलिए आम आदमी को पूरा आर्थिक परिदृश्य ही नकारात्मक नजर आ रहा है। बाजारों में महंगाई बेलगाम होती जा रही है। ऐसे लगता है जैसे फल एवं सब्जियों के विक्रेताओं में नियम-कायदे और कानून का कोई खौफ नहीं है और वे मनमाने दामों पर सब्जियां और फल बेचकर मोटा मुनाफा कमाने में जुटे हुए हैं। ऊपर से तुर्रा यह है कि प्रशासनिक कार्रवाई, जुर्माने तथा दंड अथवा लाइसेंस कैंसिल होने का कोई डर न रहने के चलते शायद ही कोई सब्जी, फल विक्रेता अपनी दुकान में इनके दामों को प्रदर्शित करने वाला बोर्ड लगाने की जहमत उठाता होगा। महंगाई बढ़ने के पीछे खाद्य पदार्थों एवं सब्जियों की कीमतों में वृद्धि मुख्य वजह रही। रिटेल बाजार में खाद्य पदार्थों और सब्जियों के दाम चाहे कितने भी क्यों न बढ़ जाएं, लेकिन किसान वर्ग को इसका फायदा कभी भी नहीं मिलता है। इसके विपरीत जमाखोरों, स्टोरियों द्वारा जमकर खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी की जाती है और बाजार में वस्तुओं का कृत्रिम अभाव पैदा कर महंगाई को बढ़ाकर चोखा मुनाफा कमाया जाता है। लिहाजा आप समझ सकते हैं कि बढ़ती महंगाई की सबसे ज्यादा मार गरीब एवं मध्यम वर्ग को झेलनी पड़ती है। आज संपन्न नागरिकों को भी चाहिए कि वे वस्तुओं के संग्रह की प्रवृत्ति से बचें और महंगाई को दूर करने में सरकार का सहयोग करें। पहले से ही कम वस्तुओं को बेकार और बर्बाद न करें, विशेषकर शादियों, घरेलू कार्यक्रमों और धार्मिक उत्सवों में अन्न

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षीय यात्रा पर एक नजर

2025 की विजयादशमी पर संघ सौवें वर्ष में पहुंच रहा है। ऐसे में इस यात्रा के कुछ पड़ावों पर नजर डालना उचित होगा। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने साल 1925 में विजयादशमी (27 सितंबर) के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। डॉ. हेडगेवार ने संगठन को देश की राष्ट्रीय आवश्यकता कहा था। उन्होंने कोलकाता में क्रांतिकारियों और नागपुर में कांग्रेस के साथ काम किया पर संघ स्थापना के बाद पूरी शक्ति यहीं लगा दी। इसलिए पहले 50 साल संघ ने केवल संगठन किया।

2025 की विजयादशमी पर संघ सौवें वर्ष में पहुंच रहा है। ऐसे में इस यात्रा के कुछ पड़ावों पर नजर डालना उचित होगा। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने साल 1925 में विजयादशमी (27 सितंबर) के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। डॉ. हेडगेवार ने संगठन को देश की राष्ट्रीय आवश्यकता कहा था। उन्होंने कोलकाता में क्रांतिकारियों और नागपुर में कांग्रेस के साथ काम किया पर संघ स्थापना के बाद पूरी शक्ति यहीं लगा दी। इसलिए पहले 50 साल संघ ने केवल संगठन किया। यद्यपि अन्य बहुत कुछ भी शीर्ष नेतृत्व के मन में था। दत्तोपंत ठेंगड़ी इसे 'प्रोगेसिव अनफोल्डमेंट' कहते थे। इसके बल पर ही संघ ने हर संकट को झेला।

इस पहले दौर में स्वयंसेवकों ने कई संस्थाएं बनायीं। इनमें राष्ट्र सेविका समिति (1936), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (1949), वनवासी कल्याण आश्रम (1952), भारतीय मजदूर संघ (1955), विश्व हिन्दू परिषद (1964), भारतीय जनसंघ/भारतीय जनता पार्टी (1951), सरस्वती शिशु मंदिर/विद्या भारती (1952) आदि प्रमुख हैं। यद्यपि इनके संविधान, कोष, पदाधिकारी, कार्यक्रम आदि अलग हैं, पर प्रेरणा संघ की ही है।

संघ पर 1932 और 1940 में शासन ने आंशिक प्रतिबंध लगार पर वे ज्यादा नहीं चले। 1948 में गांधीजी की हत्या के बाद फिर प्रतिबंध लगा। तब शासन, प्रशासन और जनता संघ के विरोध में थी। प्रचार माध्यम सरकार के पास थे। संघ के पास अपनी बात कहने का कोई साधन नहीं था। फिर भी संघ ने सत्याग्रह से सरकार को झुका दिया।

पर फिर शाखा के साथ ही समविचारी संगठनों का विस्तार और प्रभाव बढ़ने लगा। इसीलिए जब 1975 में इंदिरा गांधी ने संघ पर प्रतिबंध लगाया, तो जनता संघ के साथ रही। संघ ने फिर सत्याग्रह किया। जनता डर से चुप थी, पर चुनाव में उसका आक्रोश फूट पड़ा और इंदिरा गांधी हार गयी। यह संगठन के बल पर ही हुआ। समाज में बढ़ती स्वीकार्यता का लाभ उठाकर संघ ने संगठन को फैलाया तथा स्वयंसेवकों ने अनेक नयी संस्थाएं बनायीं। 1992 में बाबरी विध्वंस के बाद सरकार ने फिर प्रतिबंध लगाया, जिसे न्यायालय ने ही खारिज कर दिया। 1975 और 1992 के प्रतिबंध से संघ के संगठन और प्रभाव में वृद्धि हुई। उसका नाम दुनिया भर में फैल गया।

1977 के बाद के समय को हम दूसरा 50 वर्षीय कालखंड कह सकते हैं। संघ ने अनुभव किया कि हमारा काम समाज के निर्धन वर्ग में नहीं है। इनकी पहली जरूरत रोटी, कपड़ा और मकान है। इस कारण लोग धर्मांतरण भी कर लेते हैं। मीनाक्षीपुरम् कांड इसका उदाहरण था। अतः सेवा के क्षेत्र में प्रवेश किया गया। 1989 में डॉ. हेडगेवार की जन्मशती पर 'सेवा निधि' एकत्र कर हजारों पूर्णकालिक कार्यकर्ता बनाये गये। निर्धन बस्तियों को 'सेवा बस्ती' कहकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के हजारों छोटे प्रकल्प शुरू किये। अब इनकी संख्या डेढ़ लाख से भी अधिक है। अब सैकड़ों बड़े प्रकल्प भी हैं, पर मुख्य ध्यान छोटी इकाइयों पर ही है। केवल संघ ही नहीं, तो सभी समविचारी संस्थाएं सेवा कार्य कर रही हैं। यहां से पुरुष और महिला कार्यकर्ता भी आगे आ रहे हैं।

1947 में देश विभाजन एक बड़ी चुनौती थी। इस दौरान पंजाब और सिंध में संघ ने सीमित शक्ति के बावजूद लाखों हिन्दुओं की रक्षा की, महिलाओं की लाज बचाई और उनका पुनर्स्थापन किया। बंगाल में शक्ति कम होने से यह प्रभावी ढंग से नहीं हो सका।

1950 में प्रतिबंध हटने पर कुछ लोगों का विचार था कि निर्दोष होते हुए भी संसद या किसी विधानसभा में कोई हमारे पक्ष में नहीं बोला। अतः हमें शाखा छोड़कर केवल राजनीति करनी चाहिए, पर सरसंघचालक गुरुजी नहीं माने। उन्होंने कहा कि राजनीति जरूरी होते हुए भी सब कुछ नहीं है। इससे कई बड़े लोग नाराज हो गये। यद्यपि संघ ने फिर राजनीति में भी कई लोगों को भेजा, पार्टी भी बनायी, पर राजनेताओं और दलों का जो हाल है, उससे गुरुजी की बात प्रमाणित हो रही है।

संगठन होने के कारण संघ तथा संघ प्रेरित संस्थाएं लगातार नयी टीम बनाकर पुरानों के संरक्षण में उन्हें पदस्थापित करते रहते हैं, पर 1968 में भारतीय जनसंघ को एक झटका लगा। पं. दीनदयाल उपाध्याय का निधन हो चुका था। जनसंघ वाले अटल बिहारी वाजपेयी को आगे लाना चाहते थे। इससे रुष्ट होकर बलराज मधोक ने पार्टी छोड़ दी, पर जल्दी ही वे समझ गये कि कुछ लोग कुछ समय के लिए कोई संस्था तो चला सकते हैं, पर संगठन नहीं। अतः वे शांत होकर फिर संघ के कार्यक्रमों में आने लगे।

यद्यपि उनके अलगाव से गुरुजी सहित सब स्वयंसेवकों को दुख हुआ, पर संघ में व्यक्ति नहीं, संगठन महत्वपूर्ण है। ऐसी ही एक चुनौती 2018 में विश्व हिन्दू परिषद में आयी। एक प्रभावी नेता ने अपनी नयी संस्था बना ली। यहां भी टकराव व्यक्ति और संगठन में ही था। आशा है वे भी शीघ्र ही मुख्य धारा में लौट आएंगे।

कभी 'संगठन के लिए संगठन' की बात कही जाती थी, पर 50 साल संगठन और 50 साल विस्तार के बाद अब संघ समाज परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। जहां संघ का काम पुराना है, वहां परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और स्थानीय वस्तुओं का प्रयोग, सामाजिक समरसता, एक मंदिर, एक श्मशान, एक जलस्रोत, नागरिक कानूनों के पालन आदि का आग्रह किया जा रहा है। संघ के प्रयास से इस दिशा में भी निःसंदेह सुधार होगा। समाज में हजारों संस्थाएं और लोग अच्छे काम कर रहे हैं। संघ उन्हें भी साथ लेकर सम्मान और श्रेय देता है। संस्थागत अभिनिवेश से मुक्ति संघ की एक बड़ी विशेषता है।

यद्यपि जब से भाजपा की सरकारें केंद्र और राज्यों में बन रही हैं, तब से संघ में बहुत भीड़ भी आने लगी है। नये लोगों का आना सुखद है, पर जो स्वार्थवश आ रहे हैं, उनसे सावधान रहना होगा। 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' से लेकर 'परम वैभवं नेतुमेतत् स्वराष्ट्रम्' की इस अविराम यात्रा में बहुत काम बाकी है। निःसंदेह अगले कुछ वर्ष में करोड़ों स्वर 'भारत माता की जय' बोलेंगे और विश्वगुरु भारत का सपना साकार होगा।

बता दें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सबसे मूलभूत यानी बुनियादी ईकाई उसकी शाखाएं हैं। ये 'स्व' के भाव को एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। दरअसल, हम यह कह सकते हैं कि हिन्दू राष्ट्र को स्वतंत्र करने और हिन्दू समाज, हिन्दू धर्म और हिन्दू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर हेडगेवार ने संघ की स्थापना की थी। संघ की शाखा से निकले कई स्वयंसेवक देश में राजनीतिक सहित विभिन्न क्षेत्रों में सबसे बड़े पदों पर पहुंचे, लेकिन संघ अपनी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं होने का दावा करता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में 'हिन्दू' शब्द की व्याख्या करता है। यह किसी भी तरह से (पश्चिमी) धार्मिक अवधारणा के समान नहीं है। इसकी विचारधारा और मिशन का जीवंत संबंध स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और बिपीन चंद्र पाल जैसे हिन्दू विचारकों के दर्शन से हैष स्वामी विवेकानंद ने यह महसूस किया था कि हिन्दुओं को परस्पर सहयोग और सराहना का भाव सिखाने के लिए सही अर्थों में एक हिन्दू संगठन अत्यंत आवश्यक है। स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर हेडगेवार ने व्यवहार में तब्दील कर दिया।

संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर की किताब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघः स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र के मुताबिक, भारत को हर क्षेत्र में महान बनाना ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का केवल एक ध्येय है। संघ एक सशक्त हिन्दू समाज के निर्माण के लिए सभी जाति के लोगों को एक करना चाहता है। संघ का साधारण सिद्धांत यह है कि संघ शाखा चलाने के सिवाय कुछ नहीं करेगा और उसका स्वयंसेवक कोई कार्यक्षेत्र नहीं छोड़ेगा। इसलिए संघ अपनी स्थापना के बाद से ही महात्मा गांधी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, स्वातंत्र्यवीर सावरकर, बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सहित तमाम महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों के लिए आकर्षण और जिज्ञासा का केंद्र बना रहा था।

अब झारखंड और महाराष्ट्र में महासमर

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के साथ-साथ दो लोकसभा और 48 विधानसभा क्षेत्रों के उप-चुनाव के लिए तारीखों का एलान मंगलवार को कर दिया गया। ये चुनाव काफी अहम हैं, क्योंकि हरियाणा का करीब-करीब हारा हुआ रण जीतकर भाजपा ने विपक्ष के सभी समीकरण ध्वस्त कर दिए हैं। कांग्रेस अगर हरियाणा जीत गई होती, तो मुमकिन है कि महाराष्ट्र व झारखंड चुनावों में वह गठबंधन में अधिक दम-खम दिखा पाती, लेकिन अब माना जा रहा है कि उस पर सहयोगी दलों का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में, आगामी चुनावों में जीत की खुराक ही अब उसे नई ऊर्जा देने का काम कर सकती है। मगर, एनडीए गठबंधन के लिहाज से ये चुनाव पूरे देश में नैरेटिव बदलने का एक माध्यम होंगे। हरियाणा की जीत ने भाजपा को लोकसभा चुनाव के झटके से उबरने में मदद की है। अब अगर महाराष्ट्र व झारखंड को भी एनडीए अपने नाम कर ले गया, तो भाजपा का यह दावा फिर से मजबूत हो जाएगा कि लोगों का विश्वास भगवा झंडे पर कायम है।

बहरहाल, राष्ट्रीय राजनीति में महाराष्ट्र की अहमियत को समझना कोई मुश्किल काम नहीं है। यह देश का वह सूबा है, जहां से उत्तर प्रदेश के बाद सर्वाधिक 48 सांसद लोकसभा में पहुंचते हैं। उत्तर प्रदेश से 80 सदस्य चुने जाते हैं। महाराष्ट्र देश की वित्तीय राजधानी है, जिसके कारण भी इसे खासा महत्व दिया जाता है। लोकसभा चुनाव में विपक्षी इंडिया ब्लॉक के खाते में यहां की 30 सीटें गई थीं, जिसका एक बड़ा कारण महाअघाड़ी सरकार का गिरना माना गया। तब कहा गया था कि राष्ट्रवादी कांग्रेस और शिव सेना में हुई टूट के विरोध में आम लोगों ने 'इंडिया' के पक्ष में मतदान किया है। मगर इस बार भी क्या सहानुभूति का यह कार्ड वैसे ही काम करेगा, इसके बारे में अभी साफ-साफ नहीं कहा जा सकता? ऐसा इसलिए भी, क्योंकि कई लोगों का मानना है कि जनता एक ही मुद्दे पर हर चुनाव में वोट नहीं करती।

वास्तव में, महायुति व महाअघाड़ी, दोनों गठबंधन के लिए इस बार वहां बराबरी का मुकाबला है, जिसमें बाजी किस गठबंधन के हाथ लगेगी, इसका पता 23 नवंबर को चलेगा। यहां मुद्दे लगातार बदल रहे हैं और 20 नवंबर को मतदान के दिन तक कौन-कौन से मुद्दे हावी रहेंगे, इसकी भविष्यवाणी मुश्किल है। अगस्त में लग रहा था कि बदलापुर कांड का चुनाव पर काफी असर पड़ेगा। उस समय नाबालिग बच्चियों के साथ कथित छेड़छाड़ के विरोध में मानो पूरा महाराष्ट्र सड़कों पर उतर आया था। फिर शिवाजी की मूर्ति गिरने के बाद अचानक से माहौल बदल गया और ह्यमराठा अस्मिताह्न की चर्चा होने लगी। अब पूर्व मंत्री और चर्चित नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या का मसला सुर्खियों में है। लोगों में यह बहस चलने लगी है कि क्या महाराष्ट्र फिर से 90 के दशक में लौट रहा है, जब 'गैंग' का बोलबाला हुआ करता था? जाहिर है, कानून-व्यवस्था को लेकर यहां चिंताएं बढ़ गई हैं।

यहां 'लाडकी बहिण योजना' भी चुनावी मुद्दा बन सकती है। इस योजना के तहत महिलाओं को मासिक 1,500 रुपये देने की बात कही गई है। पिछले दिनों एकनाथ शिंदे सरकार ने दिवाली बोनस देने का भी एलान भी किया है। माना जा रहा है कि जिस तरह से मध्यप्रदेश में 'लाड़ली बहना योजना' चुनावी हवा बदलने में सफल साबित हुई, उसी तरह का असर इस योजना का भी पड़ सकता है।

वैसे, महाराष्ट्र की तरह ही झारखंड में भी यह साफ-साफ नहीं कहा जा सकता कि कौन सा मुद्दा जनता को प्रभावित करेगा? हालांकि, हमंत सोरेन सरकार की भी नजर बतौर वोट बैंक महिलाओं पर है और उसने दिसंबर से 'मइया सम्मान योजना' की राशि बढ़ाकर 2,500 रुपये करने का एलान किया है। पहले इस योजना के तहत 18 से 60 साल तक की महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक दिए जा रहे थे। इस योजना के जवाब में भाजपा ने भी गोगो दीदी योजना लाने का वायदा किया था, जिसमें महिलाओं को 2,100 रुपये प्रतिमाह सहायता राशि देने की घोषणा की गई थी। जाहिर है, महिलाओं को अपनी तरफ लुभाने की कोशिश सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों कर रहा है। जोर इसी बात पर है कि आधी आबादी को नकद राशि दी जाए। माना जा रहा है कि दिल्ली, हरियाणा या फिर बिहार में सरकार को महिला हितैषी योजनाओं का लाभ मिला, तो झारखंड में भी इसका फायदा हो सकता है।

बहरहाल, यहां कुछ और मुद्दे भी चुनावी फिजां में तैर रहे हैं, विशेषकर भ्रष्टाचार का मुद्दा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जेल-यात्रा को विरोधी दल चुनावों में खूब उछाल सकते हैं। चंपाई सोरेन की बगावत को भी भुनाने का प्रयास किया जा सकता है। यहां आदिवासी बनाम गैर-आदिवासी भी एक बड़ा मसला है। माना जा रहा है कि इसका उसी तरह असर हो सकता है, जिस तरह हरियाणा में जाट बनाम गैर-जाट का हुआ था। हरियाणा में जाट वोट-बैंक पर जोर देने के कारण ही संभवतः दलित छिटककर भाजपा के साथ चले गए। वैसे, झारखंड में भाजपा के सामने सीटों का बंटवारा एक बड़ी चुनौती साबित हो सकती है, जिसे झारखंड मुक्ति मोर्चा चुनावों में हवा देगी।

झारखंड में सत्ता-विरोधी भावना भी दिख रही है। संभवतः इससे पार पाने की कोशिश झारखंड मुक्ति मोर्चा ने शुरू भी कर दी है और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन मैदान में सक्रिय हो गई हैं। जिन-जिन इलाकों में वह जा रही हैं, वहां उनकी मांग बढ़ रही है। नया चेहरा होने के कारण लोगों का उन पर विश्वास बढ़ रहा है। वह नई नैरेटिव गढ़ने में सफल होती दिख रही हैं। मगर चुनावों तक यह असर कितना कायम रहेगा, अभी नहीं कहा सकता। यहां 13 और 20 नवंबर को चुनाव होंगे, जबकि नतीजों का एलान महाराष्ट्र के साथ 23 नवंबर को होगा।

कुल मिलाकर, इन दोनों राज्यों के नतीजे केंद्र की राजनीति को व्यापक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। एनडीए और इंडिया ब्लॉक, दोनों इनके नतीजों को अपने पक्ष में करने के प्रयास पहले ही शुरू कर चुके हैं। यही कारण है कि दोनों राज्यों की सरकारें अपनी आखिरी कैबिनेट बैठक में जनता को लुभाने के प्रयास करती दिखीं। साफ है, इन विधानसभा चुनावों में हावी तो स्थानीय मुद्दे ही रहेंगे, लेकिन इनके परिणाम का असर अखिल भारतीय होगा।

बदलाव की ओर कदम बढ़ाता बस्तर

बस्तर में बाजार पहुंच गया है। बाजार तो पहुंचता ही पर माओवादियों ने इस प्रक्रिया को थोड़ा विलंबित कर दिया था। अब जब सशस्त्र संघर्ष के जरिये राज्य मशीनरी पर कब्जा करने का सपना अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, इस आंदोलन के धुर विरोधी भी मानते हैं कि यदि आदिवासियों ने हथियार न उठाए होते, तो इस बात की पूरी आशंका थी कि राज्य ने उन्हें हाड़-मांस का पुतला न समझकर सिर्फ संग्रहालयों में सजाकर रखने वाली चीज समझा होता। सुदूर जंगलों और पर्वतों पर फैले इनके गांवों को सड़कों, बिजली, स्कूलों या अस्पतालों की भी जरूरत हो सकती है, यह समझने में भारतीय राज्य को काफी समय लगा।

पिछले एक हफ्ते से मैं पुराने बस्तर जिले में घूम रहा हूं। पिछले कुछ समय में यह सात जिलों में बंट चुका है। मुझे याद आता है, अपने छात्र जीवन का बस्तर, जो सैकड़ों मील दूर रहने वाले मुझ जैसों के लिए हकीकत से अधिक फसाना होता था। किसी शहरी के लिए आदिवासी एक खास तरह की रोमांटिक और सपनीली दुनिया के अंग होते थे। उन दिनों हम नृत्य करते और चावल की शराब पीकर झूमते आदिवासियों को किसी दूसरे लोक का प्राणी समझते। विवाह पूर्व रिश्तों से जुड़ी उनकी संस्था 'घोटुल' हमें किसी कल्पना-लोक की चीज लगती थी। ऐसा लगता कि रातभर नाचते-गाते, ढोल-नगाड़ा बजाते और जंगलों में प्रकृति के सान्निध्य में खिलखिलाते वनवासियों के जीवन में कोई दुख नहीं है। यह तो अपने एक सहपाठी से पहली बार पता चला कि पत्रिकाओं के रंगीन पृष्ठों पर पसरी हंसती खिलखिलाती तस्वीरों वाले आदिवासियों के पीछे खड़े पहाड़ दुखों के हैं। जिन जंगलों में वे रहते हैं, उन पर कब्जा हत्यारों और बलात्कारियों का है।

मेरे उस सहपाठी के पर-बाबा पूर्वी उत्तरप्रदेश के किसी गांव से रोजी-रोटी की तलाश में निकलकर आज के बीजापुर जिले के जंगलों में छिपे किसी दुर्गम पहाड़ी गांव में बिला गए। वर्षों बाद जब वह एक सुबह अपने गांव में प्रकट हुए, तो उनकी गठरी-मोठरी में ग्रामीणों को चकित कर सकने वाली संपदा थी, जो उन दिनों के चलन के मुताबिक अलग-अलग अंगों पर चढ़े वस्त्रों में सावधानी से सिली हुई थी। इनके अलावा उनके पास कहानियों के खजाने थे, जो अलग-अलग वय के लोगों के लिए अलग रंगों की दुनिया लिए हुए थीं। मसलन, बच्चों को यह रहस्य बड़ा मनोरंजक लगता कि आदिवासी इतने 'भोले' थे कि एक मुट्ठी नमक के बदले वे उनसे लढ़ी (बैलगाड़ी) भर चिरौंजी, इमली, शहद, लाख या तेंदू पत्ते ले लेते थे। कस्बों में मंडियां थीं, जहां तक वे माल पहुंचाते और फिर वहां से आढ़तिए उसे विशाखापत्तन या रायपुर ले जाते। बच्चों को दूर हटाकर वे अपने हमउम्रों को आंखें मटका-मटकाकर उन औरतों के बारे में बताते थे, जो पुलिस, जंगलात या राजस्व कर्मचारियों के साथ जबरिया या चुटकी भर नमक के बदले सोने के लिए अभिशप्त थीं। सहपाठी की बातें सुनकर पता चला कि तस्वीरों में मुस्कराते चेहरों के पीछे दुखों के पहाड़ थे। इस दुख से निजात की पहली कोशिश एक राजा ने की। उड़ीसा (अब ओडिशा) के किसी राज परिवार के वंशज को जगदलपुर का राजपाट मिला। उसी शृंखला के अंतिम राजा प्रवीर चंद्र भंजदेव ने, जिन्हें आदिवासी देवता मानकर पूजते थे, उन्हें संगठित करने की कोशिश की, पर वे भारतीय राज्य की संप्रभुता को चुनौती देते हुए 1966 की एक पुलिस मुठभेड़ में मारे गए।

आदिवासियों को उनके दुखों से मुक्ति दिलाने के सबसे गंभीर और निर्णायक प्रयास उस सशस्त्र आंदोलन के जरिये हुए, जो पश्चिम बंगाल में 1970 के दशक में नक्सलबाड़ी नामक एक छोटे से कस्बे से शुरू हुआ था। बंगाल में तो यह आंदोलन दो दशकों में खत्म हो गया, पर आंध्रप्रदेश, ओडिशा और पुराने मध्यप्रदेश और मौजूदा छत्तीसगढ़ के संधिस्थल पर अब भी हिचकियां ले रहा है। शुरुआती दौर में नक्सल नाम से चर्चित इस आंदोलन को बंगाल के बाहर माओवाद कहा गया। छत्तीसगढ़ का पूरा बस्तर प्रखंड इस आग में झुलसा और चार दशक लग गए माओवादियों को यह समझने में कि अब राज्य इतनी मजबूत संस्था में तब्दील हो गया है कि किसी एक कोने में सशस्त्र संघर्ष से उसे उखाड़ना तो दूर, हिलाया भी नहीं जा सकता। आज जब मैं वर्षों के अंतराल पर बस्तर के गांवों-कस्बों में घूम रहा हूं, तो स्पष्ट दिख रहा है कांकेर, कोंडागांव, जगदलपुर जैसे इलाकों में आंदोलन पूरी तरह से खत्म हो चुका है और दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर में अंतिम सांसें गिन रहा है। पिछले सालभर में डेढ़ सौ से अधिक माओवादी लड़ाके पुलिस मुठभेड़ों में मारे जा चुके हैं और अबूझमाड़ जैसे दुर्गम इलाकों में भी सड़कें और संचार के आधुनिकतम उपकरण पहुंच गए हैं, जो सुरक्षा बलों को बढ़त दे रहे हैं।

सरकारों की भी समझ में आ गया है कि आदिवासियों को सड़क, अस्पताल और विद्यालय की जरूरत है। सशस्त्र आंदोलन के चलते पुलिस, जंगलात और राजस्व कर्मियों की ज्यादतियों पर कुछ अंकुश लगा।

छात्राओं को किया आत्मरक्षा के प्रति जागरूक

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ पूनम यादव, डॉ कल्पना राव, डॉ वर्तिका ढील्लन आदि उपस्तिथ रहे

(गौरव सिंघल) सहारनपुर (नागल)। कोटा स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ संतोष चौधरी ने कहा कि किसी भी आपात समय में अपनी होशियारी व बहादुरी से किसी भी छोटी सी छोटी आपराधिक घटना पर विराम लगा सकती हैं क्योंकि वह किसी भी समय सरकार द्वारा महिला हेल्पलाइन नंबर अथवा अन्य नंबरों पर कॉल करके पुलिस सहायता ले सकती है।

उन्होंने कहा कि साहस व बहादुरी से ही जंग जीती जा सकती है। इस दौरान छात्राओं ने कोटा में रैली निकाल महिलाओं को जागरूक किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ पूनम यादव, डॉ कल्पना राव, डॉ वर्तिका ढील्लन आदि रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति की बैठक

वेस्ट प्लास्टिक कलेक्शन के लिए शहरी क्षेत्र सहित ब्लॉक और ग्राम पंचायतों को बेहतर कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

सहारनपुर। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण, वृक्षारोपण और गंगा समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के खुले मैदानों में पड़े वेस्ट प्लास्टिक को एकत्रित करने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। अभियान का नाम प्लास्टिक की शव यात्रा रखा जाए। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत समस्त ब्लॉक, वार्ड एवं गांव में प्लास्टिक एकत्र करने का अभियान चलाया जाए जिसमें समस्त विभाग के अधिकारियों की सहभागिता भी रहेगी। उन्होंने वेस्ट प्लास्टिक कलेक्शन के लिए नगर निगम, निकाय, ब्लॉक और ग्राम पंचायतों को बेहतर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। सभी स्कूलों और कॉलेजों के स्टूडेंट्स की टीम बनाकर श्रमदान कराते हुए

प्लास्टिक को एकत्रित करने के निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने एकत्रित प्लास्टिक की शवयात्रा निकालने के भी निर्देश दिए। इकठ्ठा प्लास्टिक का निस्तारण करने के लिए नगर निगम को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। प्लास्टिक का इस्तमाल न करने हेतु जन जागरुकता के अभियान चलाने के भी निर्देश दिये। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने हिण्डन नदी में होने वाले प्रदूषण सोर्सिस को मैप करते हुए उसके निस्तारण हेतु एक विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अगली बैठक से पूर्व सभी उद्यमियों से उनके उद्योग द्वारा प्रदूषण न फैलाने का प्रमाण पत्र भी प्राप्त करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। कैलाशपुर वेटलैण्ड में गिर रहें गंदे पानी के निस्तारण के संबंध में नाले की सफाई के साथ उस क्षेत्र को विकसित करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। डीएम मनीष बंसल ने बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण के संबंध में जानकारी लेते हुए यह निर्देशित किया कि जनपद में मौजूद सभी अस्पताल, क्लिनिक्स, पैथोलॉजी लैब से निकलने वाले बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण संबंधित संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर नियमानुसार हों। नियमानुसार मेडिकल वेस्ट का प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। जनपद में हुए पौधरोपण की समीक्षा करते हुए जियो टैगिंग पूर्ण करने के निर्देश उन सभी विभागो को दिए जिन्होंने अभी तक शत-प्रतिशत टैगिंग नहीं की। बैठक में डीएफओ शुभम सिंह, डीएफओ श्वेता सैन, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वनिधि से समृद्धि योजनाओं की हो शत-प्रतिशत प्रगति : डीएम

पीएम सुरक्षा बीमा एवं पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना के आमजन को बताए जाएं फायदे तथा किया जाए प्रचार-प्रसार

सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला नगरीय विकास अभिकरण जिला शासी निकाय की बैठक आहूत की गयी। बैठक में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित एवं मलिन बस्ती योजना में प्रस्तावित निर्माण कार्यों की एनओसी संबंधित नगरीय निकाय से ली जाए। 75 प्रतिशत पूर्ण हुए कार्य को शीघ्रता से शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए। उन्होंने नए कार्यों के लिए जनप्रतिनिधियों से प्रस्ताव प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी कच्चा निर्माण कार्य अनाधिकृत कालोनियों में न किया जाए। पीएम स्ट्रीट वेण्डर्स आत्मनिर्भर निधि पीएम स्वनिधि योजना के अन्तर्गत आवंटित लक्ष्य एवं ऋण वितरण में अन्तर होने के कारण उन्होने निर्देश दिए कि बैंकों से समन्वय स्थापित कर शत-प्रतिशत लक्ष्य को यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए। स्वनिधि से समृद्धि योजना के तहत शामिल योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष

पूर्ति शत-प्रतिशत की जाए तथा पीएम सुरक्षा बीमा योजना एवं पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना के फायदे आमजन को बताते हुए इसका प्रचार-प्रसार कर आवेदन के लिए प्रेरित किया जाए। पीएम आवास योजना में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय भुगतान में लाभार्थियों की संख्या में भिन्नता पाए जाने पर सभी अधिशासी अधिकारियों को कल शाम तक मौके पर जाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होने यदि निर्माण कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण है तो इनका जिओटैग संबंधित कम्पनी द्वारा क्यों नहीं किया गया का प्रमाण पत्र पीओ डूडा के द्वारा उपलब्ध करवाया जाए। शहरी पथ विक्रेताओं के लिए बेहतर स्थानों का चिन्हांकन किया जाए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार, परियोजना अधिकारी जिला नगरीय विकास अभिकरण वेद प्रकाश यादव, समस्त अधिशासी अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मीरापुर सीट रालोद जीतेगा: राव कैसर सलीम

सुरेंद्र सिंघल, वरिष्ठ पत्रकार.
(मीरापुर) / सहारनपुर, राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता राव कैसर सलीम ने कहा कि बिजनौर से सांसद चुने जाने के बाद रालोद नेता चंदन चौहान द्वारा रिक्त की गई मीरापुर विधान सभा सीट पर 13 नवंबर को होने वाले उप चुनाव में उनकी पार्टी ही जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के प्रभाव वाले इस बडे क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं को लगता है कि सांसद चंदन चौहान की पत्नी याशिका चौहान को चौधरी साहब उम्मीदवार बनाते है तो उनकी जीत कोई नहीं रोक पाएगा। चाहे विपक्षी दल कितना भी जोर क्यों न लगा ले।कार्यकर्ताओं की इच्छा भी है और मांग भी है कि याशिका चौहान का प्रत्याशी के रूप में चयन किया जाए। भाजपा के समर्थन के साथ-साथ जाट, गुर्जर मतदाताओं को साधना चंदन चौहान के लिए आसान है। मुस्लिम और दलितों में भी उनके परिवार की सदैव पैठ रही है। ध्यान रहे तीन लाख 23 हजार

मतदाताओं वाली मीरापुर सीट पर सबसे ज्यादा 36 फीसद मुस्लिम और 18 फीसद दलित मतदाता है। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष एवं नगीना के सांसद चंद्रशेखर ने आज यहां ऐलान किया कि उनकी पार्टी मीरापुर में अकेले चुनाव लडेगी। उनकी ओर से पूर्व में मोहम्मद जाहिद को उम्मीदवार घोषित किया गया था। बसपा सुप्रीमों मायावती भी कह चुकी है कि उनकी पार्टी अकेले चुनाव लडेगी। बसपा के एक नेता ने संभावना जताई कि बसपा मीरापुर के विधान सभा प्रभारी शाहनजर को उम्मीदवार बना सकती है। भाजपा ने जहां मीरापुर सीट अपने गठबंधन सहयोगी रालोद के लिए छोड दी है वहीं अभी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को यह तय करना बाकी है कि वह यहां अपना प्रत्याशी उतारेंगे अथवा कांग्रेस को मौका देंगे। कांग्रेस के खाते में सीट जाने की हालत में पूर्व सांसद सईदुज्जमां के बेटे टिकट के सशक्त दावेदार होंगें। आज के बदले हालात में मीरापुर सीट किसी के लिए भी जीतना आसान नहीं होगा। जातीय समीकरणों और ताजे सियासी रूझान के बावजूद उपयुक्त प्रत्याशी का चयन ही निर्णायक रहेंगा। ऐसे में दोनो प्रमुख गठबंधन दल के नेताओं के लिए प्रत्याशी चयन महत्वपूर्ण होगा। रालोद प्रमुख जयंत चैधरी मीरापुर में भाजपा- रालोद गठबंधन की नांव पार लगा सकते है। बशर्ते उनके उम्मीदवार की क्षेत्र में साख,विश्वसनीयता एवं लोकप्रियता हो। अखिलेश यादव के लिए भी सीट जीतना प्रतिष्ठापूर्ण होगा। वह भी पूरा जोर लगाएंगे और ऐसे उम्मीदवार का चयन करेंगे जो जयंत चैधरी के साथ-साथ चंदन चौहान को कडी चुनौती पेश कर सके। बहराल दल नहीं प्रत्याशी का चयन महत्वपूर्ण और निर्णायक होगा।

पैसों के चक्कर में पहुंच गए हवालात

जिस बैंक खाते पर क्राइम ब्रांच ने लगाया था होल्ड उसी से निकाल रहे थे रकम

सतना, शहर के मुख्त्यारगंज स्थित एक बैंक की ब्रांच में रुपए निकालने पहुंचे 2 युवक सलाखों के पीछे पहुंच गए। उन्हें रकम तो नहीं मिली हवालात की हवा जरूर खानी पड़ रही है। मामला साइबर फॉड से जुड़ा होने की आशंका है, लिहाजा दोनों युवकों से पूछताछ भी जारी है। जानकारी के मुताबिक, मुख्त्यारगंज स्थित केनरा बैंक की शाखा में खाते से रकम आहरित करने पहुंचे दो युवकों को संदेह के आधार पर बैंक प्रबंधन ने पुलिस को सौंप दिया। सिटी कोतवाली पुलिस दोनों को अपने साथ थाना ले गई और हवालात में डाल कर पूछताछ के दायरे में ले लिया। पकड़े गए युवकों की पहचान धीरज प्रजापति पिता मुन्ना लाल प्रजापति निवासी धवारी गली नंबर 5 मल्लाहन टोला व पंकज **केनरा**

बैंक कुमार चौधरी पिता रामखेलावन चौधरी निवासी ग्राम गढ़वा खुर्द थाना कोटर के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच ने बैंक खाते पर लगा दी थी रोक:-पुलिस ने बताया कि साइबर फ्रॉड के मामले में क्राइम ब्रांच ने कई बैंक के तमाम खातों पर रोक लगवा रखी है। वैसा ही खाता कैनरा बैंक में भी था। उस खाते से रकम निकालने बुधवार को दोनों युवक बैंक पहुंचे थे। उन्होंने काउंटर पर पहुंच कर खाते में जमा रकम की जानकारी मांगी तो बैंक कर्मी को संदेह हुआ और उसने बैंक मैनेजर को जानकारी दी। युवकों से पूछा गया कि रकम कहां से आई है तो खुद को खाताधारक बताने वाला पंकज कुमार चौधरी जानकारी नहीं दे सका। मैनेजर ने बातों में उलझा कर बैठा लिया और पुलिस को सूचना दे दी। सिटी कोतवाली पुलिस दोनों को पकड़ लाई। पुलिस को बताया- दो महीने पहले चोरी हो गया था एटीएम:- पंकज कुमार ने पुलिस को बताया कि वह मुंबई में रह कर चौकीदारी करता है। उसका एटीएम कार्ड 17 अगस्त को चोरी हो गया था, इसलिए वह नगद रकम निकालने काउंटर पर आया था। लेकिन वह इस बात का जवाब नहीं दे सका कि उसके चोरी एटीएम से रकम कौन और कैसे निकाल रहा है ? उसने एटीएम ब्लॉक क्यों नहीं कराया और उसके खाते में 76 हजार रुपए किसने कहां से जमा करवाए ? पुलिस की पूछताछ जारी है। आशंका जताई जा रही है कि इस खाते की लिंक साइबर फॉड गिरोह से जुड़ी हुई है।

विगत 05 वर्षों में गुम हुए 175 मोबाईल अनुमानित कीमत 25 लाख रुपये

रिकवर कर मोबाइल स्वामीयो को सुपुर्द किए गए

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनुपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के द्वारा लगातार प्राप्त हो रही गुम मोबाईल संबंधी षिकायतों को गंभीरता से लेते हुए गुम मोबाईलों की रिकवरी हेतु सम्पूर्ण जिले में विषेष अभियान चलाया गया। जिसमें थानावार मोबाईल रिकवरी हेतु विषेष टीम गठित की गयी थी। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देषानुसार सायबर सेल पुलिस अधीक्षक कार्यालय अनूपपुर के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय को सीधे प्राप्त होने वाली एवं थाना/चौकी में लंबित मोबाईल गुम संबंधी विगत 05 वर्षों षिकायतों को एकत्र कर ट्रेस कर संबंधित थानों को रिकवरी हेतु भेजा गया था। जिस पर जिले के समस्त थानों के द्वारा अनूपपुर जिला, मध्यप्रदेष के अन्य जिलों एवं विभिन्न राज्यों से कुल 175 मोबाईल फोन कीमती लगभग 25 लाख रुपये रिकवर कर पुलिस अधीक्षक कार्यालय भेजा गया था। रिकवर किये गए मोबाइल स्वामियों को आज दिनांक 17.10.2024 को पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के द्वारा सोन सभागार कलेक्ट्रेट परिसर अनूपपुर में सुपुर्द किया गया। जिससें मोबाईल स्वामी के चेहरे में खुषी की लहर देखी गयी और उनका पुलिस के प्रति विष्वास की भावना जागृत हुई।उक्त कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान, अति.पुलिस अधीक्षक श्री इसरार मन्सूरी, एसडीओपी पुष्पराजगढ़ श्री नवीन तिवारी, यातायात प्रभारी निरी. ज्योति दुबे, रक्षित निरीक्षक सूबेदार विनोद दुबे, थाना प्रभारी कोतवाली निरी. अरविंद जैन, थाना प्रभारी चचाई एस.पी.शुक्ला, थाना प्रभारी जैतहरी निरी.पी.सी.कोल, थाना प्रभारी भालूमाड़ा निरी. राकेष उईके, थाना प्रभारी कोतमा निरी.सुन्द्रेष मरावी, थाना प्रभारी बिजुरी निरी. विकास सिंह, थाना प्रभारी रामनगर निरी. अमर वर्मा, थाना प्रभारी राजेन्द्रग्राम निरी. वीरेन्द्र बरकडे, थाना प्रभारी अमरकंटक निरी.कलिराम परते, थाना प्रभारी करनपठार उनि. संजय खलकों, चौकी प्रभारी फुनगा उनि.सुमित कौषिक, चौकी प्रभारी सरई उनि. मंगला दुबे, चौकी प्रभारी देवहरा उनि. आर.एन.मिश्रा, चौकी प्रभारी वेकटनगर उनि.अमरलाल यादव, सायबर सेल प्रभारी प्रआर.राजेन्द्र अहिरवार, आर. पंकज मिश्रा, राजेन्द्र केवट एवं पत्रकारबंधु उपस्थित रहें।

विधाभारती का 35 वा खेलकूद समरोह 23 से 27 अक्टूबर तक

सतना, सरस्वती विपीठ आवासीय उचतर माध्यमिक विलय उतैली सतना में वि भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली द्वारा आयोजित 35 वा अखिल भारतीय खेलकूद समारोह 2024, दिनांक 23 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2024 तक संपन्न होने जा रहा है वि भारती के देशभर से 11 क्षेत्र के 1500 भैया बहन सम्मिलित होने जा रहे हैं जिसमें खेल की विभिन्न विधाएं 100 मीटर 200 मीटर 400 मीटर 600 मीटर 1000 मीटर 3000 मीटर एवं 5000 मीटर बाधा दौड़ गोला फेंक भाला फेंक लंबी कूद ऊंची कूद रिले रेस क्रॉस कंट्री की प्रतियोगिता में प्रतिभागी अपनी प्रतिभा व कौशल का प्रदर्शन करेंगे विभिन्न क्षेत्रों के क्षेत्र प्रमुख निर्णायक संरक्षक आचार्य दीदियां सम्मिलित होंगे वि भारती के अखिल भारतीय अधिकारी क्षेत्र एवं प्रांत के अधिकारी लगभग सैकड़ों

की संख्या में गरिमामय उपस्थित होने जा रही है। 35 वां अखिल भारतीय एकल खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन दिनांक 24.10.2024 को प्रातः 11:00 से संपन्न होना सुनिश्चित है जिसके मुख्य अतिथि श्री राजेंद्र शुक्ला उपमुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन अध्यक्षता श्री यतींद्र कुमार शर्मा वि भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री, विशिष्ट अतिथि गणेश सिंह सांसद सतना होंगे पांच दिवसीय खेलकूद समारोह के संयोजक विजय यादव सर्व व्यवस्था प्रमुख रवि मिश्रा विभाग समन्वयक रीवा विभाग एवं अध्यक्ष राम अवतार चमडीया व्यवस्थापक जागृत कपूर के मार्गदर्शन में होगा । खेलकूद समारोह का समापन दिनांक 27.10.2024 को प्रातः 11:00 से होगा जिसके मुख्य अतिथि डॉक्टर मोहन यादव मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन अध्यक्षता दी रामकृष्ण राव अध्यक्ष वि भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रतिमा बागरी शहरी एवं आवास राय मंत्री एवं श्री योगेश ताम्रकार महापौर नगर निगम सतना होंगे इस राष्ट्रीय खेलकूद समारोह में मीडिया जिला चिकित्सालय पुलिस प्रशासन नगर निगम एवं जिले भर में संचालित सरस्वती शिशु मंदिरों के प्राचार्य प्रधानाचार्य आमंत्रित किए गए हैं और सभी के सहयोग की अपेक्षा की गई है ताकि सतना का नाम सभी के सहयोग से रोशन हो सके विलय के प्राचार्य संतोष मणि शर्मा व समस्त आचार्य इस प्रतियोगिता संबंधी समस्त व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने के अहर्नीश प्रयत्न कर रहे हैं।पत्रकार वार्ता में योगेश ताम्रकार महापौर सतना रामावतार चमड़िया, अध्यक्ष सरस्वती विपीठ सतना मणिकांत माहेश्वरी मार्गदर्शन सरस्वती शिशु मंदिर कृष्ण नगर सतना, विजय यादव खेल संयोजक, जागृत कपूर सहसंयोजक, रवि मिश्रा सर्व व्यवस्था प्रमुख, भास्कर भट्टाचार्य, विभाष बनर्जी श्याम लाल गुप्ता श्यामू प्रचार प्रसार टोली एवं विलय के प्राचार्य संतोष मणि शर्मा उपस्थित रहे।

दिवाली की तैयारियों में जुटे देश भर के बाज़ार- ग्राहकों को आकर्षित करने की अनेक योजनाएँ

ऑनलाइन की बजाय बाज़ारों से ख़रीदी करने का राष्ट्रीय अभियान शुरू कर रहा कैट

सतना, दीपावली देश का सबसे बड़ा त्यौहार है और व्यापारी वर्ग के लिए इस त्यौहार का बहुत बड़ा महत्व है जहां एक तरफ़ हर दुकान और घर में दिवाली की पूजा होती है वहीं दिवाली तथा इससे जुड़े त्यौहारों के कारण पूरे साल भर में व्यापारियों को बड़े व्यापार की उम्मीद बंधी रहती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सहित देश भर के बाजारों में दीपावली एवं उससे जुड़े त्यौहारों को लेकर व्यापक तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं, उधर दूसरी तरफ़ ऑनलाइन की बजाय बाज़ारों से ख़रीदी करने के लिए भी ग्राहकों के लिए अनेक कदम उठायें जा रहे हैं। इस वर्ष त्यौहारों के सीजन में व्यापारियों द्वारा 4.25 लाख करोड़ के व्यापार करने की उम्मीद है। चाँदनी चौक से सांसद तथा कनफ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रवीन खंडेलवाल ने आज यहाँ बताया कि दिल्ली और देश भर के बाजारों में दिवाली और अन्य त्यौहारों की श्रृंखला को देखते हुए बड़े ज़ोर शोर से तैयारियाँ की जा रही हैं वहीं ई-कॉमर्स की चुनौतियों से मज़बूती से निपटने के लिए देश भर में व्यापारी अनेक प्रकार के व्यापारिक कदम उठाने की तैयारियाँ भी कर चुके हैं। श्री खंडेलवाल ने बताया कि इस संबंध में कैट एक विशेष राष्ट्रीय अभियान शुरू कर रहा है जिसके ज़रिए ग्राहकों से अपील की जायेगी कि वो ऑनलाइन के बजाय बाज़ारों में आकर ख़रीदी करें। इस अपील के बड़े पैमाने पर होर्डिंग देश भर के बाज़ारों में लगाये जाएँगे वहीं सोशल मीडिया के ज़रिए करोड़ों लोगों को यह संदेश पहुँचाया जाएगा। श्री खंडेलवाल ने बताया कि दिल्ली सहित देश के सभी महानगरों, टियर 2 तथा टियर 3 शहरों सहित क़स्बों एवं गाँवों के बाज़ारों में दुकानों को दिवाली की थीम के अनुसार सजाया जाएगा। रंग-बिरंगी लाइट्स, रंगोली,और अन्य सजावट का खास ख्याल रखा जा रहा है ताकि ग्राहकों को त्योहार का माहौल मिले और अधिक से अधिक लोग बाज़ारों की तरफ़ आकर्षित हो सकें।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी सी भरतिया ने बताया कि त्योहार के दौरान मांग में भारी वृद्धि को ध्यान में रखते हुए व्यापारियों ने पहले से ही विभिन्न वस्तुओं के अपने सटॉक को बढ़ाना शुरू कर दिया है जिसमें खासकर गिफ्ट आइटम्स, कपड़े,वेलरी,इलेक्ट्रॉनिक्स,मोबाइल, फ़र्निशिंग, सजावट सामग्री,पूजा सामग्री, रंगोली,देवी देवताओं की फ़ोटो एवं मूर्तियाँ, रेडीमेड गारमेंट्स, खिलौने, खो वस्तुएँ, कॉन्फ़ेक्शनरी, बिजली का सामान, कंयूमर डयूरेबल्स, आदि मुख्य हैं।

कैट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र जैन ने बताया कि ग्राहक को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रकार की छूट और प्रमोशनल ऑफ़र देने पर भी विचार किया जा रहा है। दुकानदार कस्टमर को लुभाने के लिए 'बाय वन-गेट वन' या दिवाली डिस्काउंट्स जैसी योजनाएं चला सकते हैं,

चूंकि दिवाली के समय बाजारों में भारी भीड़ होती है, इसलिए पुलिस और स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा और ट्रैफिक नियंत्रण के लिए विशेष इंतजाम करने का आग्रह किया जा रहा हैं वहीं दूसरी ओर ट्रेड एसोसिएशन भी अपने स्तर पर अतिरिक्त प्राइवेट सुरक्षा गार्ड रखने की योजना बना रही हैं।

ई-कॉमर्स की चुनौतियाँ और समाधान ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा जारी अस्वस्थ व्यापारिक नीतियों के बढ़ते दबाव और आकर्षक ऑफर्स के चलते स्थानीय व्यापारियों के लिए इन कंपनियों से मुक़ाबला करना एक चुनौती बन गई है किंतु फिर भी व्यापारी अपने स्तर पर अब ओमनी-चैनल रणनीतियाँ अपना रहे हैं, जहां वे विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स तथा अपनी दुकानों, दोनों तरीक़े से अपने व्यापार को बढ़ावा देने के प्रयासों में जुटे हैं ।

मैन मार्केट (खुदरा बाजार) के व्यापारियों ने भी ऑनलाइन कंपनियों से स्पर्धा करने कमर कसी (सेठी)

दीपक सेठी में बताया कि कुछ व्यापारी सोशल मीडिया के माध्यम से ऑनलाइन ऑर्डर और लोकल डिलीवरी सेवाएं शुरू कर रहे हैं ताकि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें।

इसके लिए वे अपने स्टोर की वेबसाइट या सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं और व्हाट्सएप के ज़रिये भी ऑर्डर ले रहे हैं, और सामान की डिलीवरी करवा रहे हैं। बाजारों में खरीदारी का अनुभव व्यक्तिगत है, लोग सामान की वैरायटी सहित उसको प्रत्यक्ष देख सकते हैं वही ग्राहक इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स को टच एंड फील करने के बाद खरीदने का निर्णय ले सकते है, और यह सुविधा केवल दुकानों में ही मिल सकती है। व्यापारी इस अनुभव को और बेहतर बनाने पर जोर दे रहे हैं। कुछ व्यापारी ग्राहक को रिटेन करने के लिए एक्सक्लूसिव लोकल ऑफर्स और त्वरित डिलीवरी सेवा की पेशकश कर रहे हैं जो ई-कॉमर्स पर उपलब्ध नहीं होतीं है। फास्ट-ट्रैक डिलीवरी सेवाओं के साथ साझेदारी कर रहे हैं ताकि समय पर डिलीवरी सुनिश्चित हो सके इसके लिए व्यापारी अनेक कंपनियों से लगातार बातचीत कर रहे हैं।

कुल मिलाकर,दिल्ली के साथ साथ देश भर के बाजार दीपावली के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और ई-कॉमर्स की चुनौतियों का भी सामना करने के लिए अनेक नए कदम उठा रहे हैं और इस बार त्यौहारों के सीजन में बड़ा व्यापार करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच होगा चित्रकूट का दीपावली मेला

चित्रकूट में आगामी दीपावली मेला 29 अक्टूबर को

सतना, 29 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक आयोजित होगा। अमावस्या मेला के दौरान चित्रकूट में देश-देशांतर से आने वाले श्रद्धालु तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में बुधवार को चित्रकूट के रघुवीर मंदिर में कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मेले की तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को जिम्मेदारी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष सुश्री साधना पटेल, एसडीएम जितेन्द्र वर्मा, महंत कामतानाथ चित्रकूट मदन गोपालदास, सीएमओ विशाल सिंह, सीईओ जनपद सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं साधु-संत तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। चित्रकूट अमावस्या मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर अनुराग वर्मा ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए समय रहते सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल, आश्रय स्थल सहित आवागमन के मार्गों सहित भीड़ नियंत्रण के लिए ड्रॉप गेट एवं बैरिकेटिंग की व्यवस्था दुरुस्त रखें। राजस्व विभाग आश्रय स्थलों का चिन्हांकन करें एवं चित्रकूट के दार्शनिक केंद्र आवागमन, सुविधाओं को प्रदर्शित करने वाली मैप होर्डिंग भी लगवाए। नगर परिषद चित्रकूट साफ-सफाई, पेयजल, आंतरिक सड़कों की मरम्मत, कंट्रोल रुम, खोया-पाया केंद्र आदि की व्यवस्था करें। कलेक्टर ने कहा कि मेले के दौरान संपूर्ण पेयजल व्यवस्था के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग नोडल होगा। विद्युत कंपनी के अधिकारी पूरे नगर परिषद क्षेत्र का भ्रमण कर लाइन और ट्रांसफार्मर चेक कर लें। कहीं भी विद्युत दुर्घटना की संभावना नहीं रहनी चाहिए। मेले के दौरान चित्रकूट क्षेत्र में सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराएं। बैरिकेटिंग के लिए बांस बाली और अलाव के लिए लकड़ी की व्यवस्था वन विभाग करेगा। वैरिकेटिंग और लोक निर्माण की सड़कों की दुरुस्त करने की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग की होगी। खाद्य विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से कलेक्टर ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र की दुकानों में राशन वितरण, होटलों में खान-पान की वस्तुओं की सैंपलिंग के अलाबा खाने-पीने की वस्तुओं की रेट सूची प्रतिष्ठान में प्रदर्शित कराएं और खाद्य पदार्थों की बिक्री तय कीमत पर सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर ने कहा कि संपूर्ण मेला क्षेत्र में प्रकाश की समुचित व्यवस्था रहे। नदी के घाटों में पर्याप्त गोताखोर और बचाव सामग्री के साथ होमगार्ड की टीम भी तैनात रहेंगी। नाविकों से भी कहा गया है कि नाव में क्षमता से अधिक सवारी नहीं बैठायें। नावों में बैठक क्षमता और रेट सूची भी प्रदर्शित करें। पुलिस अधीक्षक श्री गुप्ता ने कहा कि निर्देशों के उबंधन पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने दीपावली मेले के दौरान और उससे पूर्व सभी पेयजल स्त्रोतों का जल परीक्षण और शुद्धिकरण तथा क्लोरीनेशन सतत रूप से कराने के निर्देश भी दिए हैं। होटल एवं रेस्टोरेंट के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि मेला के दौरान असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा सके। मेला जोन के निर्धारित स्थलों पर निःशुल्क चिकित्सा केंद्र तथा प्रमुख स्थानों पर एंबुलेंस की व्यवस्था भी रखने के निर्देश दिए गए। संपूर्ण परिक्रमा क्षेत्र में होटल और रेस्टोरेंट में घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग प्रतिबंधित किया गया है। व्यावसायिक गैस सिलेंडर की भी नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि दीपावली मेले में कार्यरत विभागीय अधिकारी- कर्मचारी एवं संबंधित जन डयूटी मानकर नहीं बल्कि सेवा भाव से अपना कर्तव्य निभायें। मेले के दौरान समर्पित भावना से काम करे ताकि दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुजन चित्रकूट से अछी स्मृतियां लेकर लौटे।

पुलिस चौकी फुनगा द्वारा 01 ट्रेक्टर ट्रॉली अवैध रेत खनिज परिवहन करते किया जप्त

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, आज दिनांक 11.10.24 को मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि 01 ट्रेक्टर ट्रॉली अवैध रेत खनिज गोडारू नाला से उत्खनन कर परिवहन कर छिल्पा तरफ से ग्राम फुनगा तरफ आ रहा है। सूचना को संवेदनशीलता से लेते हुए तत्परता से फुनगा पुलिस द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर उक्त ट्रेक्टर को रोका गया। मुखबिर के पहचान के आधार पर आइसर नीले रंग का ट्रेक्टर नं. एमपी 18 एए 6051 का ट्रेक्टर चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम अशोक कुमार महरा पिता बाबूलाल महरा उम्र 35 वर्ष निवासी सड्डी थाना कोतमा जिला अनूपपुर व ट्रेक्टर मालिक का नाम पता पूछने पर सुनील कुमार मिश्रा पिता बैजनाथ मिश्रा उम्र 36 वर्ष निवासी सड्डी थाना कोतमा का होना बताया है। ट्रेक्टर में लोड रेत के संबंध में दस्तावेज मांगने कोई भी वैध दस्तावेज ना होना केवल स्वयं का ड्राइविंग लाइसेंस होना बताया है। ट्रेक्टर ट्राली में 03 घन मीटर रेत कीमती 5,000/- रू. व ट्रेक्टर ट्रॉली कीमती 600000/- कुल मशरूका 605000/- रू. को गवाहों के समक्ष जप्त किया गया है। आरोपी के विरूद्ध अप0क्र0 351/24 धारा 303(2),311(5) बीएनएस व 4/21 खान खनिज अधिनियम तथा मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। अवैध रेत खनिज परिवहन जप्ती की उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी फुनगा उप निरीक्षक सुमित कौशिक, सउनि कोमल अरजरिया, आर.345 राकेश कनासे, आर. 348 वीर सिंह पाल शामिल रहे।

थाना कोतमा पुलिस द्वारा गैर इरादतन हत्या करने वाले चार आरोपी को किया गिरफ्तार

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, दिनांक 14.10.2024 को फरियादी हेतराम सिंह गोड़ पिता सुंदर सिंह गोंड उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम लेदरा थाना कोतमा द्वारा सूचना दिया था कि इसका लड़का अर्जुन सिंह गोंड उम्र 16 वर्ष सुबह भोर में नित्य क्रिया के लिए तालाब तरफ गया हुआ था जिसकी लाश शाम करीब 8ः00 बजे बरमसिया की झाड़ी में मिली है किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा जंगली जानवर मारने के लिए नंगी जी.आई.तार 11000 वोल्टेज में करंट लगाकर रखे थे जिसमें अर्जुन सिंह की करंट लगने से मौत हो गई है सूचना पर मर्ग क्रमांक 10/24 धारा 194 बीएनएसएस कायम कर जांच में लिया गया तथा उक्त दिनांक को ही गांव की अमृत लाल यादव की बची भी नित्य क्रिया के लिए गई थी जिसे भी करंट लगने से घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती है, की शिकायत मिलने पर मर्ग एवं शिकायत की जांच दौरान अज्ञात व्यक्ति द्वारा जंगली जानवर को करने के लिए नंगी जी.आई. तार लगाकर करंट फैलाया गया जिसमें अज्ञात आरोपी यह जानते हुए लगाया था कि उक्त तार के करंट में आने से किसी की भी मृत्यु हो सकती है जानते हुए लगाया गया था , उक्त करंट से अर्जुन सिंह की मृत्यु होना एवं अमृतलाल की बची घायल होना पाया गया है जिस पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपराध क्रमांक 428/24 धारा 105 ,125 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया दौरान विवेचना अपराध की गंभीरता को देखते हुए तत्काल घटनास्थल के आसपास के गांव के संदेहियों से लगातार पूछताछ किया गया जिसमें 01. मानसिंह पिता भूखन सिंह उम्र 40 साल,02. कृपाल सिंह पिता भंवर सिंह उम्र 30 साल दोनों निवासी लेदरा एवं 03. राम जी सिंह पिता ददुवल सिंह उम्र 45 साल ,04.श्री सिंह उर्फ अश्वनी सिंह पिता बलधारी सिंह उम्र 35 साल दोनों निवासी जमुनिहा थाना कोतमा के द्वारा अपराध घटित करना स्वीकार करने पर उक्त आरोपियों से घटना में प्रयुक्त नंगी जी.आई.तार एवं तार फैलाने के लिए उपयोग में लाई गई लकड़ी डंडा जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतमा निरीक्षक सुंद्रेश सिंह ,सहायक उप निरीक्षक बृजेश पांडेय, चंद्रहास बांधेकर ,प्रधान आरक्षक रामपाल पटेल रामखेलावन यादव, आरक्षक नरेंद्र , अभय त्रिपाठी ,चालक आरक्षक दिनेश किराडे , जितेंद्र मंडलोई, साइबर सेल प्रधान आरक्षक राजेंद्र हिरवार,आरक्षक पंकज मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कोठी सहित क्षेत्र मे अवैध मिलावटी डीजल पेट्रोल से गाड़ियों का इंजन हो रहा ख़त्म जिम्मेदार मौन

एक सवाल ये भी आखिर कोठी मे 1 पेट्रोल पम्प लेकिन आज तक संचालक द्वारा शिकायत नहीं समझ से परे

सतना, अति वलनशील पदार्थों में शामिल पेट्रोल डीजल कोठी कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सडक़ किनारे बनी किराना या चाय नाश्ता दुकानों पर खुलेआम बेचा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के पिड़रा पेट्रोल पंप से केन या बोतलों में भी पेट्रोल भर कर मझगवा व कोठी थाना क्षेत्र से होकर लाया जा रहा है खुलेआम। प्रतिबंध के बावजूद भी नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। कुछ लोग झोपड़ी और टीन शेड में। पयों की लालच में गाड़ियों के इंजन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह सिलसिला लगातार चला आ रहा है , इस तरह खुलेआम पेट्रोल या डीजल बेचने को लेकर लंबे समय से कार्रवाई नहीं होने से क्षेत्र में थोड़ी-थोड़ी दूर पर प्लास्टिक की केन में पेट्रोल भरकर यादा दाम में बेचने वालों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। ये लोग ग्रामीण क्षेत्रों में सडक़ किनारे पेट्रोल बेच रहे हैं। जिम्मेंदार इसपर आंखे मूंदे दिखाई देते हैं।लोगों का कहना है कि प्रशासन को अवैध पेट्रोल डीजल की बिक्री पर लगाम लगाना चाहिए।

प्रशासन को खबर, फिर भी कार्रवाई नहीं कोठी क्षेत्र के अधिकतर गांव व रोड किनारे में चल रहे अवैध पेट्रोल पंपों के रूप मे दुकानो की जानकारी प्रशासन को है, कोठी बस स्टैंड, झाली चौराहा, सोनौर, पुराना पेट्रोल पंप, बगिया मोड़, गोराईया मोड़, झाली बस स्टैंड, मौहार बस स्टैंड, नैना मोड़ में लगभग हर एक गांव में सडक़ किनारे दुकानों पर अवैध पेट्रोल डीजल बेचा जा रहा है। इन रास्तों से प्रशासनिक अधिकारी भी आते जाते हैं। इस बात की पुस्टि कुछ वाहन मालिकों व मिस्त्री से बात की गई तो बताया कि कई बाइक व चार पहिया वाहन का इंधन खत्म हो गया है,। आधा सैकड़ा स्थानों पर हो रहा अवैध भंडारण कोठी के ग्रामीण क्षेत्रों में सैकड़ों स्थानों पर अवैध पेट्रोल बेचने वाले प्लास्टिक की केन में लाल, नीला रंग का लिक्विड बेच रहे हैं।ये पेट्रोल और डीजल ही है जो पेट्रोल पंप से 10 से 20। पए महंगे दाम पर लीटर से कम मात्रा मे आसानी से मिल रहा है। वलनशील पदार्थ का स्टॉक रखना गैरकानूनी है, लेकिन इन्हें न प्रशासनिक कार्रवाई का डर है और न ही किसी हादसे का।

पहले भी हो चुके हैं हादसे लगभग 10 साल मे शुत्रो की माने तो कोठी सहित क्षेत्र में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगभग आधा दर्जन दुकान के अंदर अवैध तरीके से भंडार किए गए पेट्रोल में आग लग चुकी है , चंद सेकंड में ही पूरी दुकान धू-धू कर जल गई।

कौशल पखवाड़ा का आयोजन 30 अक्टूबर तक

गणेश वैष्णव | सिटी चीफ | नारायणपुर, विभिन्न रोजगार एवं स्वरोजगारोन्मुखी विषयों में निःशुल्क आवासीय कौशल प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु ''कौशल पखवाड़ा'' का आयोजन 14 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक विकासखण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर किया जा रहा है। जिसके तहत् कुरूषनार, झारा में 18 अक्टूबर, मसपुर, गारपा में 19 अक्टूबर, सुलेंगा धौड़ाई में 21 अक्टूबर, भरण्डा में 22 अक्टूबर, मण्डाली में 23 अक्टूबर, फरसगॉव, दण्डवन में 24 अक्टूबर, बावड़ी, मलेचूर में 25 अक्टूबर, कंदाड़ी में 26 अक्टूबर, आकाबेड़ा में 28 अक्टूबर, बागडोंगरी में 29 अक्टूबर, भाटपाल, बेनूर, भुरवाल में 30 अक्टूबर को ग्राम पंचायत भवन में वेल्डिंग प्रशिक्षण, वाहन चालक, राजमिस्त्री प्रशिक्षण, इलेक्ट्रिशियन प्रशिक्षण, प्लम्बर प्रशिक्षण, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर प्रशिक्षण, एसी, फ्रीज वासिंग मशीन रिपेयर प्रशिक्षण, बेकहो लोडर ऑपरेटर, मल्टी स्किल टेक्नीशियन (फूड प्रोसेसिंग) और ऑप्टिकल फाइबर स्पाइसर कोर्सेस में 30-30 इच्छुक युवाओं का प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु काउंसलिंग किया जाएगा। कौशल पखवाड़ा में प्राप्त आवेदन में चयनित व पात्र युवाओं का प्रशिक्षण आगामी माह 08 नवंबर 2024 से प्रारंभ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिले के अन्य ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्र के इन विषयों में प्रशिक्षण हेतु इच्छुक युवा जो प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है, वे सीधे कार्यालय कौशल विकास विभाग, जिला पंचायत नारायणपुर, रोजगार कार्यालय नारायणपुर तथा लाईवलीहुड कॉलेज गरांजी से संपर्क कर आवेदन तथा विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है। आवेदन हेतु एक पासपोर्ट साईज फोटो एव आधार कार्ड प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

छात्रावास अधीक्षक परीक्षा में मेडता के लाल सौरभ खोजा ने किया राजस्थान टॉप

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ

(राजस्थान) मेड़ता रोड, राजस्थान अधीनस्थ सेवा बोर्ड द्वारा आयोजित छात्रावास अधीक्षक ग्रेड द्वितीय प्रतियोगी परीक्षा में मेडता (बंवरला) निवासी सौरभ खोजा ने पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इससे पूर्व सौरभ खोजा कक्षा -10 में 2009 बोर्ड मेरिट में पंद्रहवा स्थान हासिल किया था।सौरभ खोजा के पिताजी श्रीराम खोजा शिक्षा विभाग में अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी है।इस अवसर पर जगदेव राम, श्रीराम, दयाल राम, पीयूष,कमल, मोहन लाल, अर्जुन सिंह, छोटी देवी,चंदा देवी,ष्ठ खा देवी,हिताक्षी खोजा, गोविन्द राम बेड़ा, रामलाल बाना,रामअवतार दाधीच, रामेश्वर लाल सैन,हरिओम शर्मा, लक्ष्मण राम, पुष्ठ षोत्तम मेघ, श्याम लाल मुंडेल व अन्य परिजनों व शिक्षक उपस्थित थे। सभी ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए सौरभ को और उन्नति के मार्ग पर बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

कटनी पुलिस ने 12 घंटे में किया हत्या का खुलासा

मामूली विवाद में दामाद की पत्थर पटकर करी हत्या, ससुर और साले ने किया गुनाह कबूल

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले के रीठी थाने क्षेत्र में हुई पत्थर पटकर हुई हत्या को कटनी पुलिस ने पर्दाफास करते हुए 12 घंटों में खुलासा कर दिया है। यह हत्या मामूली विवाद झगड़े के चलते मृतक को उसके ससुर और साले ने पत्थर पटकर हत्या कर दी थी।

कटनी जिले एसपी अभीजित रंजन ने बताया कि हनुमान तलैया कचरा घर के पास में अज्ञात मृतक का शव मिलने की सूचना पर तस्दीक हेतु थाना प्रभारी रीठी तुरंत हमराह स्टाफ लेकर मौके पर पहुंचकर घटना की तफ्तीश शुष्ठ की, जहाँ मृतक का शव कचरा घर की दीवाल से सटकर पडा मिला जो प्रथम दृष्ट्या मृतक को किसी अज्ञात द्वारा भारी पत्थर सिर पर पटककर हत्या करना पाया गया। मृतक के पास ही खून स सना पत्थर भी पड़ा मिला। मृतक की पहचान हेतु सोशल मीडिया एवं पुलिस के कर्मचारी स्वंय जाकर आसपास के गाँव, मोहल्लो में पता किया गया इसी दौरान सिघईया मोहल्ला करिया पाथर निवासी पूरन भूमिया भी अन्य लोगो के साथ मौके पर परिजनो सहित आया और मृतक की पहचान अपने दामाद सुरेंद्र भुमिया उम्र 35 साल निवासी ग्राम जिजनौडी थाना विजयराघवगढ़ जिला कटनी के। प मे किया, जो 13 तारिख को अपने ससुराल सिंघईया टोला में अपनी पत्नि एवं बचों सहित रीठी का दशहरा, रामलीला, राई का कार्यक्रम देखने आया था। मृतक की पहचान होने पर मृतक के ससुर पूरन भुमिया पिता सुकरू भुमिया उम्र 55 साल निवासी सिंघड्या करियापाथर रीठी की रिपोर्ट पर मौके से मर्ग कायम कर एफ.एस.एल., स्नाईफर डॉग एवं फिगर प्रिंट टीमे मौके पर ही बुलवाई गई, घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया एवं उनकी उपस्थिति मे शव पंचनामा कार्यवाही बाद पीएम0 करावाया गया जिसमे डॉ. ने मृतक के सिर में आई संघातिक चोट से मृत्यु होना बताया गया। रीठी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरूद्ध मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। मामले की विवेचना दौरन मृतक के ससुर पूरन भूमिया एवं साला सुनील भूमिया जो की मृतक का शव पहचानने के समय से ही दोनो का कार्य व्यवहार असामान्य एवं संदेहास्पद था। जिन्हे टीम द्वारा संदेह के आधार पर कब्जे में लेकर गहनता से पूछताछ की गई जो पूछताछ पर शुष्ठ से ही पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किये किन्तु तथ्यो एवं परिस्थितियो के आधार पर सघन पूछताछ की गई, जिस पर उक्त दोनो पिता पुत्र द्वारा बताया कि घटना 13-14 अक्टूबर 2024 की दरम्यानी रात को इनके घर में शराब एवं मुर्गा की दावत घर में रखी गई जिसमे अन्य कई रिस्तेदार भी सुनील के घर में मौजूद थे, खना खाने के दौरान ही मृतक सुरेन्द्र भुमिया और इकलौते साले सुनील भुमिया के बीच किसी बात को लेकर बाद विवाद मारपीट हो गई थी जिसमे सुरेन्द्र भूगिया ने सुनील को गाली गालियों कई बार दिया सुनील ने काफी बेइजती महसूस किया व मृतक सुरेन्द्र की हत्या करने की योजना अपने पिता पूरन भूमिया के साथ बना लिया, योजनानुसार तीनो रात्रि करीब 2 बजे दशहरा जुलुस व रामलीला देखने के बहाने दोबारा रीठी बाजार आये, उसी दौरान दोनो साले व ससुर ने सुरेन्द्र को निर्जन एवं अंधेरे स्थान हनुमान तलैया के पास स्थित कचरा घर के पीछे ले गये जहाँ मौका पाकर सुनील ने पास में ही पड़े भारी पत्थर को उठाकर दो बार मृतक सुरेन्द्र के सिर में पटक दिया, जिससे मौके पर ही सुरेन्द्र की मृत्यु हो गई। जिसकी तस्दीक करने पश्चात आरोपियो को हिरासत में लेकर पूछताछ के दौरान उन्होने उक्त घटना करना स्वीकार किये व वक्त घटना पहने हुये रक्त रंजित अपने कपडे मेमोरेण्डम पर घर से जप्त करवाये गये।

कटनी के पहष्ठ आ में नाबालिक को जबरन शराब में पेट्रोल-डीजल मिलाकर पिलाया

अस्पताल में हुआ भर्ती, जांच में जुटी पुलिस

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले के स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पहष्ठआ मे अजीबो गरीब मामला सामने आया है जहाँ एक नाबालिक किशोर बालक को शराब मे पेट्रोल और डीजल मिला कर गांव क़े ही दो युवक ने पीला दिया जिससे बालक की तबियत ख़राब हो गई जिसे परिजन तुरंत जिला अस्पताल मे भर्ती किया गया है।

जिला अस्पताल में भर्ती बीमार बालक अनुराग चौधरी उर्म 12 वर्षीय क़े पिता महेंद्र चौधरी ने बताया की मेरा बालक अनुराग चौधरी जो खेल में था तभी शिवदयाल पटेल और उसका भाई बधिया पटेल नामक युवक अनुराग को बहला फुसला कर गांव क़े बाहर ले गया फिर उसको शराब मे डीजल ओर पेट्रोल मिला कर पीला दिया जिससे बालक की तबियत खराब हो गई और ग्रामीणों से जैसे ही बालक के पिता महेंद्र चौधरी को लगी वह तुरंत ही अनुराग को जिला अस्पताल कटनी लेकर पहुंचा जहां उसका इलाज जारी है। वही बीमार बालक और उसके पिता ने यह भी आरोप लगाया है कि शिवदयाल पटेल और उसका भाई बधिया पटेल जातिगत अपशब्दों का भी प्रयोग करते हुए गली गलौज भी की गई है। वही इस मामले में कटनी एस पी अभिजीत रंजन ने बताया कि इस मामले की जांच कराई जा रही है और स्लीमनाबाद पुलिस भी जिला अस्पताल पहुंच बीमार बचे ओर उसके पिता के बयान लेने पहुंची है और पूरे मामले जी जांच करा दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

कटनी पुलिस ने लगाया सीएम हेल्पलाइन निवारण शिविर

150 से अधिक शिकायतों का समाधान

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, जिला कटनी पुलिस द्वारा जिला स्तरीय सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण विशेष शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें मौके पर 150 से अधिक शिकायतों को गंभीरता से सुना गया एवं 100 से अधिक शिकायतों का निराकरण किया गया। सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन के नेतृत्व में किया गया। मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित 181 सीएम हेल्पलाईन पोर्टल प्राप्त शिकायतों मे गंभीर प्रवृत्ति की शिकायतों के निराकरण हेतु शिकायतकर्ताओं से प्रत्यक्ष संवाद किया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन ने आज पुलिस कंट्रोल रूम में शिकायतकर्ताओं को अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया एवं जनसुनवाई शिविर लगाकर आवेदक/ अनावेदकगणो को समक्ष बुलाकर उनकी समस्या सुनी गयी। पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन ने ऐसे प्रकरण जिनमे पुलिस कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है उनमें फरियादियो को समझाईस दी गई,फरियादियों की शिकायतों, उनकी वेदना, कष्ट को सुना एवं पुलिस के प्रति नजरिए को सकारात्मक बनाने की दिशा में पहल की तथा शिकायतों का संतोषजनक निराकरण कराया। जनसुनवाई में फरियादियों की शिकायतों में उल्लिखित विवरण अनुसार संबधित अनुविभागीय अधिकारी/थाना प्रभारी/चौकी प्रभारियो को तत्काल फोन के माध्यम से संपर्क कर वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। सीएम हेल्पलाईन शिकायतो का गुणवत्तापूर्ण/समाधान करने निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया है ताकि शासन द्वारा संचालित सीएम हेल्पलाइन 181 की योजना से आमजन को त्वरित लाभ मिल सके।

कटनी कोतवाली पुलिस ने गायत्री नगर पुलिया के पास दी दबिश

4 किलो गांजा के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार, मामला दर्ज

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के कोतवाली पुलिस ने मुखबिरों की सूचना पर गायत्री नगर पुलिया पम्प हाउस रोड के पास दबिश देकर खिरहनी फाटक निवासी दो महिलाओं को अरेस्ट कर उनके पास से 4 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। जब्त हुए गांजा की कीमत 39 हजार। पये आंकी गई है। अरेस्ट हुई दोनों महिलाओं के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। कटनी एस पी अभिजीत रंजन ने बताया कि कोतवाली पुलिस द्वारा बीती रात करीब साढ़े 11 बजे गश्त की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिरों से सूचना मिली कि गायत्री नगर पुलिया पम्प हाउस रोड के पास दो महिलाएं गांजा की डिलिवरी देने के लिए जा रही थी। सूचना मिलते ही कोतवाली टीआई आशीष शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दबिश दी। पुलिस को देखते ही महिलाएं भागने का प्रयास करने लगी, जिसे पुलिस ने घेराबंदी करते हुए पकड़ा। बताया जाता है कि खिरहनी फाटक निवासी 48 वर्षीय धनपतिया बाई एवं 65 वर्षीय कुसुम बाई निषाद को हिरासत में लेकर गांजा जब्त किया गया है। धनपतिया बाई के कब्जे से 2.155 किलो ग्राम गांजा एवं कुसुम बाई के कब्जे से 1.913 किलो ग्राम गांजा जब्त किया गया है, जिसकी कीमत 39 हजार। पये आंकी गई है। कोतवाली पुलिस ने दोनों महिलाओं के विरूद्ध एन डी पी एस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

कलेक्टर ने की स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

108 एम्बुलेंस संचालक ऋषि नामदेव को नोटिस जारी करने के निर्देश

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर। स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा कलेक्टर ऋजु बाफना ने की। इस दौरान उन्होने चाईल्ड मेटरनल डेथ, 108 एम्बुलेंस संचालन, सीडीआर रिपोर्ट आदि की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर निर्देश दिए। कलेक्टर ने 108 एम्बुलेंस समय पर चिकित्सालय में नही पहुंचने पर 108 एम्बुलेंस संचालक ऋषि नामदेव को नोटिस जारी करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। उन्होने चाईल्ड मेटरनल डेथ किस कारण से हुई है इसकी बिन्दुवार रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश बीएमओ एवं डॉक्टर्स को दिए। साथ ही निर्देश दिए कि ब्रेस्ट फीडिंग के बारे में जानकारी देने के लिए आशा एवं एएनएम को प्रशिक्षण दें, ताकि आशा एवं एएनएम गर्भवती माताओं को ब्रेस्ट फीडिंग की जानकारी दे सकें। इस दौरान उन्होने निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में होम डेथ एवं रास्ते में डेथ न हो इसके प्रयास करें। इसके लिए आशा एवं एनएनएम के माध्यम से समय-समय पर भ्रमण कराकर जानकारी लेते रहें। उन्होने सीएम हेल्पलाईन में लंबित शिकायतों के निराकरण करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ अजय साल्विया, एपीडेमिक समन्वयक डॉ सुनीता परमार, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ सुमित यादव, डीपीएम शैलेन्द्र सोनी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी नीलम चौहान आदि उपस्थित थे।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन सोपास का दशहरा मिलन समारोह संपन्न

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन सोपास का दशहरा मिलन समारोह निजी होटल में संपन्न हुआ। मिलन समारोह में जिले के सभी अशासकीय स्कूल संचालक शामिल हुए। इस दौरान जिलाध्यक्ष अखिलेश मंडलोई की अनुशंसा तथा सभी संचालक साथी की सर्व सम्मति से मधुसूदन भीमावद को सोपास का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नियुक्ति पर पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर एलपी यादव, जेपी सोनी, अमित नामदेव, महेंद्र बडाल, अभिजीत धगट, संजय सक्सेना, बीएल योगी सहित अशासकीय स्कूल संचालक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा में कामाख्या देवी के दर्शन को गरीब बनकर रवाना हो गए भाजपाई

और आर्थिक संपन्न लोग अधिकारियों के साथ मिलकर योजना को जमकर लगाया पलीता

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर। आर्थिक परेशानी के कारण तीर्थ यात्रा पर नही जा सकने वाले गरीब वृद्धों को तीर्थधाम तक निःशुल्क लेकर जाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा संचालित की जा रही है, लेकिन इस योजना को भारतीय जनता पार्टी के नेता ही अधिकारियों के साथ मिलकर पलीता लगाने और फर्जीवाड़ा करने में जुटे हुए हैं। यही कारण है कि सरकार की इस लोकप्रिय योजना में जरूरतमंद हितग्राहियों की जगह धनाड्य और सक्षम लोगों के साथ सत्ताधारी नेता फर्जी तरीके से अपना नाम चढ़वाकर यात्रा कर रहे हैं। खास बात यह है कि गरीबों को पात्रता के नाम पर परेशान करने वाले अधिकारियों ने सक्षम और समर्थ लोगों को यात्रा पर भेजने के लिए चयनित करने से पहले अपनी आंखों पर पट्टी बांधली। नतीजतन शाजापुर जिले से रवाना हुई यात्रा में अधिकांश आर्थिक रूप से संपन्न और भारतीय जनता पार्टी के नेता दर्शन करने के लिए भेज दिए गए हैं।

शाजापुर जिले से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत कामख्या देवी के दर्शन हेतु गत 13 अक्टूबर 24 को यात्रा रवाना हुई, लेकिन इस यात्रा के लिए यात्रियों का चयन करने वाले अधिकारियों ने नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई। यही वजह रही कि यात्रा में आर्थिक रूप से संपन्न लोगों के साथ भाजपा नेताओं को भी शामिल कर लिया गया। नियमों की बात करें तो आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति जिसकी उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक हो, उसे ही यात्रा में जाने की पात्रता है, लेकिन शाजापुर नगरपालिका की पूर्व नपा उपाध्यक्ष रेखा अमृतलाल को तीर्थ दर्शन यात्रा के लिए चयनित कर लिया गया। वहीं सत्येंद्र राठौर जिनका धोबी चौराहा पर आलीशान मकान, निजी ट्रक है वे भी आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद गरीब बनकर मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत यात्रा पर रवाना हो गए। साथ ही सेवानिवृत्त ग्रामीण विस्तार अधिकारी रामकृष्ण गोठी भी गरीबी का चौला पहनकर तीर्थ दर्शन यात्रा पर गए हुए हैं। इन सभी यात्रियों का चयन धर्मस्व विभाग के अधिकारियों ने नगरपालिका सहित अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर किया है और अब अधिकारी चयन प्रक्रिया के बारे में बताने से कतारते नजर आ रहे हैं।

गरीब बनकर यात्रा पर रवाना हुई पूर्व नपा उपाध्यक्ष 13 अक्टूबर को जिले से कामाख्या देवी के दर्शन हेतु मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत यात्रियों का जत्था रवाना हो चुका है। यात्रा 18 अक्टूबर तक की है। इस यात्रा में शाजापुर की पूर्व नपा उपाध्यक्ष रेखा अमृतलाल भी गरीब बनकर रवाना हुई हैं। नियमानुसार नपा उपाध्यक्ष रेखा अमृतलाल मीणा यात्रा करने की पात्रता नही रखती हैं, बावजूद इसके जिम्मेदारों ने उन्हे तीर्थ दर्शन योजना में शामिल कर यात्रा पर पहुंचा दिया है जिसके कारण अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। जिले से रवाना हुए अधिकांश यात्री आर्थिक रूप से संपन्न हैं, किंतु उन्होने मुफ्त योजना का लाभ लेने के लिए अधिकारियों से सांठगांठ कर योजना का लाभ लिया है।

अभिधम्म दिवसः प्रधानमंत्री ने कहा- संस्कृति को नए सिरे से पेश कर रहा भारत

पीएम मोदी बोले- भगवान बुद्ध से जुड़ाव की मेरी यात्रा अनवरत जारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को अभिधम्म दिवस पर दिल्ली में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। विज्ञान भवन में बौद्ध भिक्षुओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने भगवान बुद्ध से अपने जुड़ाव पर बात की। साथ ही उन्होंने सरकार के पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने और भारत के अपनी संस्कृति और सभ्यता को नए सिरे से प्रस्तुत करने की बात कही। पीएम मोदी ने कहा कि अभिधम्म दिवस हमें याद दिलाता है कि करुणा और सद्भावना से ही हम दुनिया को और बेहतर बना सकते हैं। इससे पहले 2021 में कुशीनगर में ऐसा ही आयोजन हुआ था, यह मेरा सौभाग्य है कि वहां उस आयोजन में भी मैं शामिल हुआ था। यह मेरा सौभाग्य है कि भगवान बुद्ध के साथ जुड़ाव की जो यात्रा मेरे जन्म के साथ शुरू हुई है, वो अनवरत जारी है। मेरा जन्म गुजरात के उस वड़नगर में हुआ, जो एक समय बौद्ध धर्म का महान केंद्र हुआ करता था।

पवित्र आयोजनों में शामिल होने का अवसर मिला

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत के ऐतिहासिक बौद्ध तीर्थ स्थानों से लेकर दुनिया के अलग अलग देशों तक, नेपाल में भगवान बुद्ध की जन्मस्थली के दर्शन, मंगोलिया में उनकी प्रतिमा के अनावरण से लेकर श्रीलंका में वेसाक समारोह तक मुझे कितने ही पवित्र आयोजनों में शामिल होने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा, आज शरद पूर्णिमा का पवित्र पर्व भी है और आज ही भारतीय चेतना के महान ऋषि वाल्मीकि जी की जन्मजयंती भी है। मैं समस्त देशवासियों को शरद पूर्णिमा और वाल्मीकि जयंती की भी बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष अभिधम्म दिवस के आयोजन के

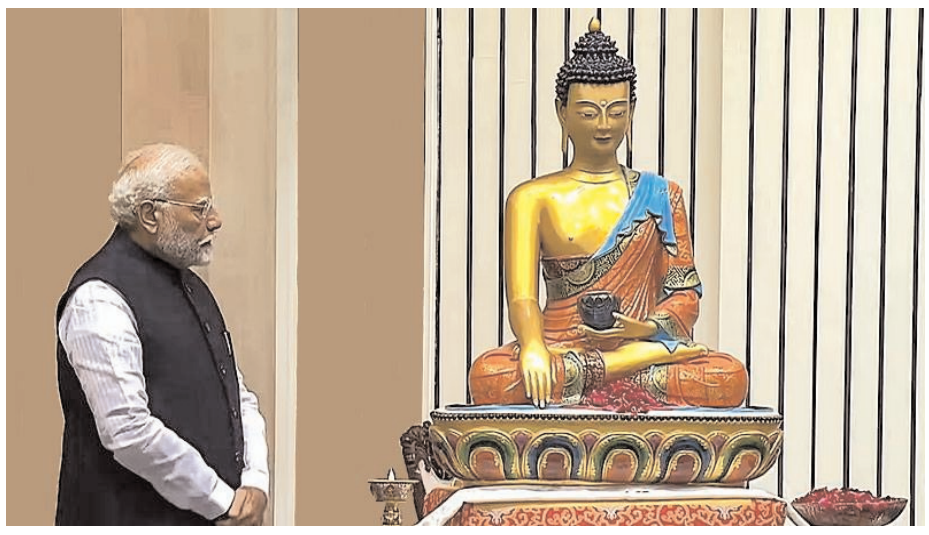

साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी जुड़ी है। भगवान बुद्ध के अभिधम्म, उनकी वाणी, उनकी शिक्षाएं जिस पाली भाषा में विरासत के तौर पर विश्व को मिली है, इसी महीने भारत सरकार ने उस पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का ये दर्जा, पाली भाषा का यह सम्मान भगवान बुद्ध की महान विरासत का सम्मान है। पीएम मोदी ने कहा कि अभिधम्म धम्म के निहित है, धम्म के मुलभाव को समझने के लिए पाली भाषा का ज्ञान आवश्यक है। धम्म यानी बुद्ध के संदेश, बुद्ध के सिद्धांत और मानव के अस्तित्व से जुड़े सवालों का समाधान। धम्म यानी मानवमात्र के लिए शांति का मार्ग, धम्म यानी बुद्ध की सर्वकालिक शिक्षाएं, धम्म यानी समूची मानवता के कल्याण का अटल आश्वासन।

सारनाथ में हुए अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण होगा

पीएम ने बताया कि तीन दिन बाद 20 अक्टूबर को वे वाराणसी जा रहे हैं, जहां सारनाथ में हुए अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम नए निर्माण के साथ-साथ अपने अतीत को भी सुरक्षित कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में हम 600 से ज्यादा प्राचीन धरोहरों, कलाकृतियों और अवशेषों को दुनिया के अलग-अलग देशों से वापस भारत लाए हैं। इनमें से कई अवशेष बौद्ध धर्म संबंधित हैं। यानी बुद्ध की विरासत के पुनर्जागरण में भारत अपनी संस्कृति और सभ्यता को नए सिरे से प्रस्तुत कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की बुद्ध में आस्था केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता की सेवा का मार्ग है। भगवान बुद्ध को लेकर मैंने पहले भी कहा है कि बुद्ध, बौद्ध भी है और बुद्ध शोध भी है। इसलिए हम भगवान बुद्ध को जानने के लिए आंतरिक और अकादमिक दोनों तरह की रिसर्च पर जोर दे रहे हैं। पीएम ने कहा कि मुझे खुशी है कि हमारे संत, बौद्ध संस्थान, हमारे भिक्षुकगण इस दिशा में युवाओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं। विकसित होने की तरफ बढ़ रहा भारत अपनी जड़ों को भी मजबूत कर रहा है।

बौद्ध धर्म की शिक्षाएं बड़ी मार्गदर्शक

पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारा प्रयास है कि भारत का युवा विज्ञान और तकनीक में विश्व का नेतृत्व करे और साथ ही हमारा युवा अपनी संस्कृति और अपने संस्कारों पर भी गर्व करे।

दहला देने वाला मंजर

गाजा में सड़क पर शवों को नोच खा रहे कुत्ते, अब तक 42 हजार मौतें

तेलअवीव। इजरायल और हमास के बीच जंग छिड़े अब एक साल से भी ज्यादा का समय बीत चुका है। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास के इजरायल पर हमले के बाद से गाजा में संघर्ष जारी है। अब युद्धग्रस्त गाजा से दिल दहला देने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में आवारा कुत्ते लावारिश शवों को खाते नजर आ रहे हैं। गाजा के आपातकालीन सेवाओं के प्रमुख फारेस अफाना ने बताया है कि उन्हें और उनके सहयोगियों को उत्तरी गाजा में मारे गए फिलिस्तीनियों के शव मिले हैं जिनमें से कई पर जानवरों द्वारा शवों को खाए जाने के निशान हैं। फारेस अफाना ने सीएनएन को बताया, भूखे आवारा कुत्ते सड़क पर इन शवों को खा रहे

हैं। इससे हमारे लिए शवों की पहचान करना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने उत्तरी गाजा और जबालिया क्षेत्र में हवाई और जमीनी हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि इजरायली सेना का कहर जारी है। अब त्रासदी से जूझते गाजा में शवों को अंतिम संस्कार भी नसीब नहीं हो पा रहा है। वहीं इजरायल ने दावा किया है कि हमास के लड़ाके इन इलाकों में फिर से संगठित हो रहे हैं।

पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला किया था। इन हमलों में 1,206 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें से ज्यादातर आम लोग थे। तब से इजरायल के हमले में गाजा में 42,409 लोग मारे गए हैं वहीं 99,153 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि पिछले 24 घंटों में इजरायली सैन्य हमलों में 65 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। अफाना ने बताया कि सोमवार को इजरायली सैनिकों ने फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी द्वारा संचालित एक राहत शिविर केंद्र में खाने की तलाश कर रहे भूखे लोगों पर गोलीबारी की है। उन्होंने कहा, स्थिति बदतर होती जा रही है। उत्तरी गाजा में जो हो रहा है वह वास्तव में नरसंहार है।

सलमान खान को मारने के लिए 25 लाख में दी गई थी सुपारी

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की हत्या की साजिश रचने के मामले में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस ने गुरुवार को दावा किया कि सलमान खान को महाराष्ट्र के पनवेल स्थित उनके फार्महाउस के पास मारने की साजिश रची गई थी। इसके लिए 25 लाख रुपये में कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। यह सुपारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने दी थी। इस केस में पुलिस ने 5 लोगों के नाम चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस का कहना है कि आरोपी घटना को अंजाम देने के लिए एके-47, एके-92 और एम-16 जैसे खतरनाक हथियार पाकिस्तान से लेने की तैयारी में थे। इसके अलावा तुर्की मेड जिगना पिस्तौल भी इन लोगों के पास थी, जिसका इस्तेमाल पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के मर्डर में किया गया था। पुलिस का कहना है कि इस मामले में आरोपी ने 18 साल से भी कम के कई लड़कों को हायर किया था। ये लोग पुणे, रायगड़, नवी मुंबई, ठाणे और गुजरात में छिपे हैं।

पुलिस ने दावा किया है कि सलमान खान पर 60 से 70 लोग नजर रख रहे थे। बांद्रा हाउस, पनवेल फार्म हाउस से लेकर गोरेगांव फिल्म सिटी तक में उनकी मूवमेंट पर नजर रखी जा रही थी। चार्जशीट के अनुसार सलमान खान की हत्या की साजिश अगस्त 2023 से अप्रैल 2024 के दौरान रची गई। इस केस में गुरुवार को ही पुलिस ने इस केस में सुक्खा को पानीपत से अरेस्ट किया है, जो लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शूटर बताया जा रहा है। उसने ही शूटर अजय कश्यप उर्फ एके और 4 अन्य लोगों को सलमान खान को मारने की सुपारी दी थी। इसके बाद कश्यप और उसकी टीम ने सलमान खान की रेकी की थी। इन लोगों ने तय किया था कि सलमान खान की सुरक्षा टाइट रहती है। बुलेटप्रूफ वाहन भी उनके साथ रहते हैं। ऐसे में उनकी हत्या के लिए मारक क्षमता वाले हथियारों की जरूरत होगी। इसके चलते ये लोग हाई रेंज वाली बंदूकों की तलाश में जुट गए थे।

हमने लॉरेंस गैंग को पकड़ने की मांग की, कनाडा ने कुछ नहीं किया

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर खालिस्तान समर्थन के मुद्दे पर कनाडा को खरी-खरी सुनाई है। दरअसल, हाल ही में कनाडा ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड के मुद्दे पर भारतीय राजनयिकों पर आरोप लगाए थे और साथ ही लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर देश में हिंसा में शामिल होने का आरोप लगाया था।

जहां राजनयिकों पर आरोप को लेकर भारत ने कनाडा के सभी आरोपों को निराधार करार दिया, वहीं अब लॉरेंस बिश्नोई गैंग के मामले में भारत ने कनाडा को निशाने पर लिया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा, हमने कनाडा से कई अनुरोध किए, जिनमें उनसे लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लोगों को गिरफ्तार करने की मांग की गई थी। हालांकि, कनाडा ने हमारी चिंताओं पर कोई कार्रवाई नहीं की। इसके पीछे कुछ राजनीतिक कारण भी हैं।

जस्टिन ट्रूडो के 'सबूत न देने' के आरोपों पर भी वार

दूसरी तरफ विदेश मंत्रालय ने जस्टिन ट्रूडो के उस कबूलनामे पर भी वार किया है, जिसमें कनाडाई प्रधानमंत्री ने माना था कि भारत के साथ निज्जर मामले में सिर्फ खुफिया जानकारी साझा की गई, न कि कोई ठोस सबूत। रणधीर जयसवाल ने कहा, हमने इस खास मुद्दे पर अपनी स्थिति साफ रखी है। आपने पिछले दो दिन में प्रेस रिलीज देखी होंगी, जिनमें हमने कहा है कि सितंबर 2023 के बाद से कनाडा ने हमने कोई जानकारी साझा नहीं की।

राजनयिकों पर लगाए गए आरोप खारिज

विदेश मंत्रालय ने कहा कि कल (बुधवार) को सार्वजनिक जांच और सुनवाई के दौरान हमने फिर से एक बयान जारी किया, जिसमें हमने कहा कि कनाडा ने सिर्फ गंभीर आरोप लगाए हैं, लेकि इन आरोपों को लेकर कोई सबूत नहीं दिया है। जहां तक आरोपों का सवाल है तो प्रधानमंत्री ट्रूडो ने कल खुद जो कबूल किया है, उससे उनके आरोपों की कीमत पता चलती है। जयसवाल ने कहा कि हम अपने राजनयिकों पर लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हैं।

आयोग के सामने क्या बोले थे जस्टिन ट्रूडो?

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने बुधवार को चुनावी प्रक्रियाओं और लोकतांत्रिक संस्थानों में विदेशी हस्तक्षेप की जांच कर रहे स्वतंत्र जांच आयोग के सामने स्वीकार किया था कि उन्होंने बिना किसी ठोस सबूत के खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों के शामिल होने का आरोप लगाया था। कनाडाई पीएम ने कहा कि पिछले साल आरोप लगाते समय उनके पास सिर्फ खुफिया जानकारी ही थी। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनयिक पीएम नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना करने वाले कनाडाई लोगों के बारे में सूचनाएं एकत्र कर रहे थे और उसे भारत सरकार के उच्च अधिकारियों और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह जैसे आपराधिक संगठनों तक पहुंचा रहे थे।

ट्रूडो ने कहा कि उन्हें देश की खुफिया एजेंसी और संभवतः फाइव आइज के सदस्य देशों की संयुक्त खुफिया एजेंसियों ने भरोसेमंद सूचना दी थी कि कनाडा की धरती पर एक कनाडाई की हत्या में भारत सरकार के एजेंट शामिल थे। यह कुछ ऐसा था जिसे उनकी सरकार ने बहुत गंभीरता से लिया। फाइव आइज में कनाडा के अलावा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं।

रिपोर्ट में दावा

जल संकट बन रहा खाद्य उत्पादन के लिए खतरा

नई दिल्ली। पूरे विश्व में बढ़ रहा जल संकट खाद्य उत्पादन के लिए बड़ा खतरा बन रहा है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगर इस पर काबू न पाया गया, तो 2050 तक वैश्विक जीडीपी में आठ फीसदी तक की गिरावट आ सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कम आय वाले देशों में जीडीपी में 15 फीसदी तक की कमी आ सकती है अंतरराष्ट्रीय समूह ग्लोबल कमीशन ऑन द इकोनॉमिक्स ऑफ वॉटर की रिपोर्ट के मुताबिक कमजोर आर्थिक प्रणाली, भूमि के बढ़ते उपयोग, जल संसाधानों का सही प्रबंधन न होने और जलवायु संकट ने वैश्विक जल संकट पैदा किया है। इसके चलते 2050 तक दुनिया के आधे से अधिक खाद्य उत्पादन को खतरा है। इसके बड़े आर्थिक परिणाम भी हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग तीन अरब लोग और आधे से अधिक खाद्य उत्पादन उन क्षेत्रों में है जहां पर पानी या तो सूख चुका है या सूखने के कगार पर है। भूजल की कमी का कई शहरों का सामना करना पड़ रहा है। पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट के निदेशक जोहान रॉकस्ट्रॉम का कहना है कि दुनिया की आधी से अधिक आबादी पानी की कमी का सामना कर रही है। पानी की उपलब्धता जैसे-जैसे कम होती जा रही है, वैसे-वैसे खाद्य सुरक्षा और मानव विकास खतरे में पड़ रहा है।

यह इतिहास में पहली बार है कि वैश्विक जल चक्र असंतुलित हो गया है। जलवायु परिवर्तन और भूमि का बढ़ता उपयोग मानव की नींव को कमजोर कर रहा है। जल प्रबंधन को लेकर की जा रही पहल पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करने में विफल हैं। विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक और आयोग के सह-अध्यक्ष नगोजी ओकोन्जो-इवेला ने कहा कि वैश्विक जल संकट एक त्रासदी है, लेकिन यह पानी के अर्थशास्त्र को बदलने का अवसर भी प्रस्तुत करता है। हमें पानी की कमी और इससे मिलने वाले कई लाभों को पहचानने के लिए पानी का उचित मूल्यांकन करके शुरूआत करनी चाहिए।

महाराष्ट्र में हरियाणा वाला गेम...भाजपा की 54 सीटों पर चौंकाने की तैयारी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कांग्रेस, सपा, आरजेडी और शरद पवार की एनसीपी जैसी पार्टियों ने प्रचार किया था कि एनडीए इसलिए 400 सीटें मांग रहा है ताकि संविधान बदल सके। इसके अलावा आरक्षण को खत्म किया जा सके। इस प्रचार ने असर भी दिखाया और माना जाता है कि इसी के चलते भाजपा 240 सीटों पर ही ठहर गई और एनडीए दलों के समर्थन से ही सरकार बन सकी। अब महाराष्ट्र में इसी दांव को भाजपा पलटने की तैयारी में है। चंडीगढ़ में आज भाजपा और एनडीए सरकारों के मुख्यमंत्रियों की मीटिंग हो रही है। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं। इस मीटिंग का एजेंडा ही है कि कैसे आपातकाल के 50 साल पूरे होने को संविधान हत्या के प्रयास के तौर पर याद दिलाया जाए। यही नहीं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी भाजपा, एकनाथ शिंदे और अजित पवार की एनसीपी इस मसले को उठाने वाले हैं। इसके तहत घर घर संविधान अभियान चलाया जाएगा। इसके माध्यम से संविधान लागू होने के 75 वर्ष का स्मरण किया जाएगा। दरअसल 'घर-घर संविधान' अभियान के माध्यम से भाजपा चाहती है कि विपक्ष के संविधान बदलने वाले नैरेटिव की काट की जा सके। विपक्ष के इस नैरेटिव का सबसे ज्यादा नुकसान महाराष्ट्र और यूपी जैसे बड़े राज्यों में ही हुआ था।

25 फीसदी वोट साधने की तैयारी

'घर-घर संविधान'अभियान के माध्यम से एनडीए के दल चाहते हैं कि महाराष्ट्र के 25 फीसदी वोटों को साधा जा सके। राज्य में 16 फीसदी दलित आबादी है, जबकि 9 फीसदी संख्या आदिवासियों की है। सूबे में 29 विधानसभा सीटें अनुसूचित जाति और 25 सीटें जनजाति के लिए आरक्षित हैं। भाजपा को लगता है कि ये सीटें पूरा गेम पलटने का दम रखती हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस के सुझाव पर ही घर-घर संविधान अभियान शुरू किया जाएगा। वह चाहते हैं कि इस अभियान के जरिए यह संदेश दिया जाए कि भाजपा कैसे संविधान को लेकर तत्पर है। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह अभियान दलितों, ओबीसी और जनजाति समुदाय के बीच अच्छा संदेश देगा। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस एवं उसके सहयोगी दलों ने इन्हीं समुदायों के बीच 2024 में भ्रम पैदा कर दिया था।

महाराष्ट्र में भाजपा के दलित नेता धर्मपाल मेश्राम ने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव जैसी स्थिति नहीं होगी। हमारे अभियान का लाभ होगा और दलित मतदाता इस बार भाजपा के साथ फिर से आएंगे।

क्या है 54 सीटों वाला प्लान, जिससे गेम पलटने की उम्मीद

इस तरह भाजपा 54 आरक्षित सीटों पर फोकस कर रही है, जहां से गेम पलट सकता है। इसके अलावा ओबीसी वर्ग पर भी फोकस है क्योंकि मराठा आरक्षण आंदोलन के चलते उनके जरिए ही नुकसान की भरपाई की उम्मीद है। हरियाणा में भी भाजपा ने सामाजिक समीकरण का माइक्रो मैनेजमेंट करके जीत हासिल की थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569